दैनिक बुद्ध का संदेश

हिन्दी समाचार पत्र

एक विश्वास....

आलिया की अल्फा ने पकड़ी ...8

सिद्धार्थनगर
मंगलवार, 07 जुलाई 2026
वर्ष: 13 अंक : 205 पृष्ठ: 8
आमंत्रण मूल्य 2/–रुपया

लखनऊ, कानपुर, कन्नौज, बरेली, सीतापुर, सोनभद्र, गोण्डा, बाराबंकी, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, अम्बेडकरनगर, फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, महराजगंज, रामपुर, रायबरेली, सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित।

सम्पादक : राजेश शर्मा

दैनिक बुद्ध का संदेश 8795951917, 9415163471 @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com

उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

मणिपुर के उखरुल में बड़ा आतंकी हमला, Assam Rifles के काफिले पर Ambush में 2 जवान शहीद

पुलिस ने बताया कि सोमवार को मणिपुर में संदिग्ध

उग्रवादियों ने एक काफिले पर घात लगाकर हमला किया, जिसमें असम राइफल्स के दो जवान मारे गए और कई अन्य घायल हो गए। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि यह हमला दोपहर करीब 1. 30 बजे उखरुल जिले के नुंगशांग खोंग इलाके में हुआ, जब उग्रवादियों ने 40 असम राइफल्स के काफिले पर गोलीबारी की। इलाके में अतिरिक्त बल भेजा गया और हमलावरों का पता लगाने के लिए तलाशी अभियान शुरू किया गया। इस घात लगाकर किए गए हमले की निंदा करते हुए, मणिपुर के गृह मंत्री गोविंदस कोंथौजम ने कहा कि ऐसे हमले हिंसा से प्रभावित राज्य में सामान्य स्थिति बहाल करने की चल रही कोशिशों को कमजोर करते हैं।

शाहजहांपुर की जलालाबाद तहसील अब कहलाएगी परशुरामपुरी, योगी कैबिनेट का बड़ा फैसला

यूपी में एक और शहर का नाम बदला! लखनऊ में मुख्यमंत्री आवास पर हुई कैबिनेट बैठक में शाहजहांपुर की जलालाबाद तहसील का नाम बदलने के प्रस्ताव को पास कर दिया गया है। योगी कैबिनेट की मंजूरी के बाद अब जलालाबाद तहसील का नया नाम श्भगवान परशुराम पुरीश होगा। सोमवार को हुई इस उच्चस्तरीय बैठक में दोनों डिप्टी सीएम और राज्य के प्रमुख मंत्रियों ने हिस्सा लिया, जहाँ इस फैसले समेत कई अन्य महत्वपूर्ण योजनाओं और प्रस्तावों को भी मंजूरी दी गई। प्रशासन जल्द ही नाम बदलने की आगे की कागजी कार्रवाई शुरू करेगा। शहरऔर स्थानीय मार्गदर्शिका

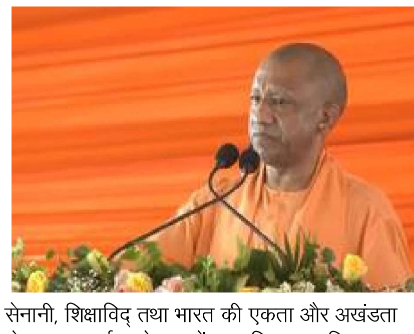

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती पर सोमवार को उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की और उन्हें महान स्वतंत्रता सेनानी, शिक्षाविद् तथा भारत की एकता और अखंडता के प्रबल समर्थक के रूप में याद किया। आदित्यनाथ ने यहां आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि देश की एकता की रक्षा करने और जम्मू–कश्मीर को मिले विशेष दर्जे का विरोध करने में डॉ. मुखर्जी के योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि भारत माता के महान सपूत, महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी और एक देश में दो विध ाान, दो प्रधान, दो निशान नहीं चलेंगे का उद्घोष करने वाले डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की आज 125वीं पावन जयंती है। इस अवसर पर उनकी स्मृतियों को नमन करते हुए उत्तर प्रदेश सरकार और प्रदेश की जनता की ओर से मैं उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सरकार से अलग होने के बाद भारतीय जनसंघ के संस्थापक अध्यक्ष के रूप में डॉ. मुखर्जी ने देश की अखंडता के लिए 'एक देश में दो विधान, दो प्रधान और दो निशान नहीं चलेंगे' का नारा दिया और जम्मू–कश्मीर की विशेष दर्जे की व्यवस्था का विरोध किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि डॉ. मुखर्जी ने जम्मू–कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 और तत्कालीन नेहरू सरकार की तुष्टीकरण'की नीति के खिलाफ जो अभियान शुरू किया था, उसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली भारतीय जनता पार्टी सरकार ने 2019 में अनुच्छेद 370 को समाप्त कर साकार किया। उन्होंने कहा कि इसके साथ ही जम्मू–कश्मीर में भी बाबा साहब भीमराव आंबेडकर का संविधान पूरी तरह लागू हुआ। उन्होंने कहा कि यह हम सबके लिए सौभाग्य की बात है कि जिस बंगाल को पाकिस्तान के खूनी पंजे से बचाने में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, वही बंगाल आज उन्हें अपना आदर्श मानने वाली भारतीय जनता पार्टी के शासन का हिस्सा बना हुआ है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि पश्चिम बंगाल में डॉ. मुखर्जी से जुड़े स्थानों का विकास वहां की डबल इंजन सरकार द्वारा किया जा रहा है

पक्की नौकरी? अग्निवीर की मुराद होगी पूरी, सेना ने लिया बड़ा फैसला!

देश के अग्निवीरों के सब्र का बांध अब टूटने से पहले ही उन्हें उनकी मनचाही मुराद मिलने वाली

है। थल सेना, नौसेना और वायु सेना ने मिलकर सरकार की टेबल पर वो फाइल रख दी है जिसने रक्षा मंत्रालय में खलबली मचा दी है। अब सिर्फ 25% नहीं बल्कि फौज के अंदर अग्निवीरों की पक्की परमानेंट एंट्री होने जा रही है। नेवी ने कहा है हमें 75% अग्नवीर परमानेंट चाहिए। तो आर्मी और एयरफोर्स ने 50% का दावा कर दिया है। साल 2022 में जब अग्निपथ योजना का ऐलान हुआ था तब नियम कड़े थे। तय हुआ था कि 4 साल की सेवा के बाद सिर्फ 25% अग्नवीरों को ही परमानेंट कैडर मिलेगा और बाकी 75% को वापस जाना पड़ेगा।

राम मंदिर ट्रस्ट मीटिंग : चंपत राय-अनिल मिश्रा का इस्तीफा मंजूर

कृष्ण मोहन होंगे ट्रस्ट के नए महासचिव

उत्तर प्रदेश के अयोध्या में राम मंदिर के लिए मिले दान में हेराफेरी

के आरोपों के बीच, सोमवार को श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की अहम बैठक हुई। यह बैठक ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय और ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्रा के भविष्य पर चर्चा करने के लिए बुलाई गई थीय डॉ. मिश्रा ने कथित चोरी की नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। ट्रस्ट ने उनके इस्तीफे स्वीकार कर लिए हैं। इस बीच, बैठक में स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम की अंतरिम रिपोर्ट पर भी चर्चा हुई। मीडिया की मौजूदगी और प्राइवेसी की चिंताओं के कारण यह बैठक राम मंदिर परिसर के अंदर बने गेस्ट हाउस में हुई। ट्रस्ट नेैप्ज की जांच का स्वागत किया है और दोषियों के खध्लिाफ कार्रवाई की मांग की है, साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व पर भरोसा भी जताया है।

22 जुलाई को फिर बैठक होगी, एसआईटी अपना काम कर रही है

दो घंटे से ज़्यादा चली बैठक के बाद, श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष स्वामी गोविंद देव गिरि महाराज ने कहा कि एसआईटी की अंतिम रिपोर्ट पर चर्चा करने के लिए 22 जुलाई को एक और बैठक होगी। उन्होंने कहा हम सभी इससे आहत और दुखी हैं। चोरी कितनी बड़ी या छोटी थी, यह गौण बात हैय हमें मुख्य रूप से इस बात का दुख है कि यहाँ ऐसा माहौल बनने दिया गया। हालाँकि, सच्चाई हमारे सामने है और उस पर विचार करना हमारा कर्तव्य है। इसलिए, तय तारीख से पहले ही, हम आज गहरे चिंतन और दुख की स्थिति में इकट्ठा हुए। मौजूदा हालात को देखते हुए एक गंभीर स्थिति पैदा हो गईरू हमारे महासचिव चंपत राय और ट्रस्टी अनिल जी मिश्रा ने इस्तीफा दे दिया। महासचिव के तौर पर काम कर रहे चंपत राय बहुत दुखी थेय उन्हें लगा कि जब तक पूरी तरह से न्याय नहीं हो जाताकृ यानी दोषियों को पकड़ा नहीं जाता और उन्हें उचित सजा नहीं मिलतीकृतब तक अपने पद पर बने रहना ठीक नहीं है।

पहले दिया तीन तलाक, फिर हलाला के नाम पर जीजा से कराया रेप, पति समेत 3 पर एफआईआर

उत्तर प्रदेश के बिजनौर जिले की एक महिला ने आरोप लगाया है कि उसके पति ने मारपीट करने और तीन तलाक देने के बाद उसे शनिकाह हलालाश के लिए मजबूर किया, और इस दौरान उसके पति के बड़े भाई ने उसके साथ रेप किया। पुलिस को दी गई शिकायत में महिला ने बताया कि उसने लगभग एक साल पहले नदीम से शादी की थी। उसने आरोप लगाया कि उसके परिवार ने घर का सामान, फर्नीचर, मोटरसाइकिल, गहने और 2 लाख रुपये नकद जैसे दहेज दिए, फिर भी उसके ससुराल वाले संतुष्ट नहीं थे और उसे शारीरिक और मानसिक रूप से परेशान करते थे। महिला ने बताया कि 19 मई की रात उसके पति ने उसे लात–घूंसे मारकर घायल कर दिया, जिससे उसकी पहले हुई सर्जरी वाली जगह पर बहुत दर्द होने लगा। उसने दावा किया कि जब वह दर्द में थी, तब नदीम ने तीन बार ष्तलाकष् कहा और उसे घर छोड़ने के लिए कहा। अगले दिन, वह शिकायत दर्ज कराने के लिए पुलिस के पास गई। लेकिन उसके पति और उसके परिवार वालों ने उसे यह भरोसा दिलाकर घर लौटने के लिए मना लिया कि वह उससे दोबारा शादी करेगा। शिकायत के अनुसार, 30 मई को होने वाली दोबारा शादी से पहले, नदीम ने कथित तौर पर उससे कहा कि उसे पहले उसके बड़े भाई वसीम के साथ श्हलालाश से गुजरना होगा। उसने दावा किया कि उसने इस मांग का विरोध किया, लेकिन आरोप लगाया कि बाद में वसीम ने हलाला के नाम पर उसके साथ रेप किया। महिला ने यह भी आरोप लगाया कि उसे अपने परिवार को जानकारी देने से रोका गया, घर में कैद रखा गया और जब भी उसने घर से निकलने की कोशिश की, तो उसके साथ मारपीट की गई।

पहलगाम आतंकी हमला: एनआईए की चार्जशीट में एलईटी चीफ हाफिज सईद का नाम, 25 पर्यटको की मौत का अब होगा हिसाब!

नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी ने सोमवार (6 जुलाई) को पहलगाम में हुए भयानक आतंकी हमले के मामले में अपनी सप्लीमेंट्री चार्जशीट में पाकिस्तान में मौजूद आतंकवादी और लश्कर–ए–तैयबा के प्रमुख हाफिज सईद को आरोपी बनाया है। NIA के एक बयान के मुताबिक, जम्मू की NIA स्पेशल कोर्ट में दायर अपनी सप्लीमेंट्री चार्जशीट में, एंटी–टेरर एजेंसी ने हाफिज सईद पर व्यक्तिगत तौर पर और प्रतिबंधित आतंकी संगठन लश्कर–ए–तैयबा और उसके सक्रिय प्रॉक्सी संगठन, द रेजिस्टेंस फ्रंट के प्रमुख के तौर पर आरोप लगाए हैं।

हाफिज सईद पर आरोप

आरोपी पर भारतीय न्याय संहिता, 2023 और गैर–कानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम , 1967 की विभिन्न धाराओं के तहत आरोप लगाए गए हैं। NIA ने चार्जशीट में आरोपी पर भारत के खिलाफ युद्ध छेड़ने और सीमा पार से साजिश रचने से जुड़ी दंडात्मक धाराओं को भी लागू किया है। बयान के अनुसार, 1,597 पन्नों की मूल चार्जशीट के बाद दायर इस चार्जशीट में पाकिस्तान की साजिश, सईद की भूमिका और NIA द्वारा गहन वैज्ञानिक जांच और जमीनी पड़ताल के जरिए मामले में जुटाए गए सबूतों का विवरण दिया गया है। 15 दिसंबर, 2025 को दायर अपनी पिछली चार्जशीट में NIA ने पाकिस्तानी हैंडलर साजिद जट्ट को आरोपी बनाया था, साथ ही जुलाई 2025 में ऑपरेशन महादेव के दौरान सुरक्षा बलों द्वारा मारे गए तीन आतंकवादियों और गिरफ्तार किए गए दो आरोपियों को भी इसमें शामिल किया था।

राज्यसभा का बदलेगा गणित, पश्चिम बंगाल की 3 सीटों पर उपचुनाव का ऐलान, बीजेपी को सीधा फायदा

चुनाव आयोग ने सोमवार (6 जुलाई) को पश्चिम बंगाल की तीन राज्यसभा सीटों के लिए उपचुनाव की घोषणा की। इन सीटों पर वोटिंग और वोटों की गिनती 24 जुलाई को होगी। तृणमूल कांग्रेस के बागी सांसदों – सुखेंदु शेखर रॉय, सुष्मिता देव और प्रकाश चिक बारिक – के उच्च सदन (राज्यसभा) से इस्तीफा देने के कारण ये उपचुनाव कराने पड़ रहे हैं। विध ाानसभा चुनावों में हार के बाद पार्टी लीडरशिप पर सवाल उठाने के बाद, इन तीनों ने जून में अलग–अलग तारीखों पर इस्तीफा दिया था। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में बीजेपी की जबरदस्त जीत के बाद, इन तीन उपचुनावों के बाद राज्यसभा में उनकी संख्या बढ़ने वाली है।

राज्यसभा उपचुनाव का कार्यक्रम – अधिसूचना जारी होने की तिथिः 7 जुलाई, 2026 (मंगलवार)

नामांकन पत्र दाखिल करने की अंतिम तिथिः 14 जुलाई, 2026 (मंगलवार)

नामांकन पत्रों की जांच (स्क्रूटनी)ः 15 जुलाई, 2026 (बुध ावार)

नाम वापस लेने की अंतिम तिथिः 17 जुलाई, 2026 (शुक्रवार)

मतदान की तिथिः 24 जुलाई, 2026 (शुक्रवार)

मतदान का समयः प्रातः 9: 00 बजे से शाम 4:00 बजे तक

मतगणनाः 24 जुलाई, 2026 (शुक्रवार) शाम 5:00 बजे से

चुनाव प्रक्रिया पूर्ण होने की अंतिम तिथिः 27 जुलाई, 2026 (सोमवार)

पीओके में बिगड़ते हालात के बीच बार्डर के पास भारतीय सेना ने किया शक्ति प्रदर्शन

पाक अधिकृत कश्मीर में उथल पुथल और नियंत्रण रेखा के पार बढ़ती हलचल के बीच जम्मू–कश्मीर के पुंछ में भारतीय सेना ने रविवार को बड़ा छद्म अभ्यास कर अपनी तैयारियों का सख्त संदेश दिया। सीमावर्ती इलाकों में बढ़ी चौकसी के बीच हुए इस अभ्यास ने साफ कर दिया कि भारतीय सुरक्षा एजेंसियां किसी भी घुसपैठ, आतंकी साजिश या सीमा पार से पैदा होने वाले खतरे को लेकर पूरी तरह सतर्क हैं। हम आपको बता दें कि पुंछ का भूगोल ही उसे रणनीतिक रूप से बेहद संवेदनशील बनाता है। यह जिला नियंत्रण रेखा के बेहद करीब स्थित है और कई इलाके तो ऐसे हैं जहां सीमा की दूरी महज कुछ किलोमीटर रह जाती है। पुंछ शहर से नियंत्रण रेखा की दूरी करीब दस किलोमीटर मानी जाती है, जबकि पाक अधिकृत कश्मीर का रावलाकोट क्षेत्र तो सीमा के ठीक पार करीब चार किलोमीटर की दूरी पर मौजूद है। यही वजह है कि नियंत्रण रेखा के उस पार पैदा होने वाली हलचल का असर इस इलाके में तुरंत महसूस किया जाता है।

महाराष्ट्र में मश्वनसून का कहर : भूस्खलन से दबे कई घर, मुंबई–पुणे एक्सप्रेसवे ठप, अब तक 13 लोगों की मौत

आपदा प्रबंधन मंत्री गिरीश महाजन ने सोमवार को कहा कि पिछले तीन–चार दिनों में बारिश से जुड़ी घटनाओं में 13 लोगों की मौत हो गई है, क्योंकि मुंबई और आस–पास के जिलों में रिकॉर्ड तोड़ बारिश हुई है। भारी बारिश की वजह से आम जनजीवन पर असर पड़ने के कारण महाराष्ट्र विधान परिषद की कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित कर दी गई। राज्य आपदा प्रबंधन प्राधि ाकरण (ैक्ड।) ने मुंबई में प्राइवेट ऑफिस को सलाह दी कि वे कर्मचारियों को जहाँ भी संभव हो, घर से काम करने की इजाजत दें। साथ ही, गैर–जरूरी सरकारी और अर्ध–सरकारी ऑफिस के लिए आध ा दिन की छुट्टी की घोषणा की। यह सलाह भारत मौसम विज्ञान विभाग (द्वारा मुंबई के लिए जारी किए गए रेड अलर्ट के बाद दी गई है। प्डक ने मुंबई, ठाणे और रायगढ़ में बहुत भारी बारिश और 80–90 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएँ चलने का अनुमान लगाया है। आईएमडी ने निचले इलाकों में बाढ़, अचानक बाढ़ (सिंी सिववके), जल–जमाव, पेड़ों के उखड़ने, कमजोर ढांचों को नुकसान और भूस्खलन के खतरे की चेतावनी दी है। साथ ही, लोगों से गैर–जरूरी यात्रा से बचने और आधिकारिक सलाह का पालन करने का आग्रह किया है। दक्षिण–एशियाईऔर प्रवासी

महाराष्ट्र में मॉनसून का कहर और बढ़ गयाय पुणे में भूस्खलन से एक घर मलबे में दब गया, जबकि लगातार हो रही बारिश ने मुंबई और पुणे के बीच सड़क और रेल संपर्क को ठप कर दिया।

सीएम फडणवीस ने कहा- सरकार अलर्ट मोड पर है

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सदन को बताया कि हाल की घटनाएं, जिनमें दीवार गिरने और भूस्खलन जैसी घटनाएं शामिल हैं, खराब मौसम का नतीजा हैं, न कि तैयारी में कमी का। उन्होंने कहा आपदा प्रबंधन का पूरा तंत्र, नगर निगम और अन्य एजेंसियां घ्मौके पर मौजूद हैं। हम अलर्ट मोड पर हैं।

बारिश से जुड़ी घटनाओं में 13 लोगों की मौत

आपदा प्रबंधन मंत्री गिरीश महाजन ने सोमवार को बताया कि पिछले तीन–चार दिनों में बारिश से जुड़ी घटनाओं में 13 लोगों की मौत हो गई है। इस दौरान मुंबई और उसके आस–पास के पालघर और रायगढ़ जिलों में रिकॉर्ड तोड़ बारिश हुई। इस घोषणा के बाद, मुंबई और आस–पास के इलाकों में भारी बारिश को देखते हुए महाराष्ट्र विधान परिषद की कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित कर दी गई।

सामुदायिक शौचालय पर हमेशा लटका रहता है ताला: लाखों की योजना बनी दिखावा, ग्रामीणों को इसका नहीं मिल रहा लाभ

दैनिक बुद्ध का संदेश शशांक मिश्रा

खेसरहा। विकास खंड खेसरहा की ग्राम पंचायत गैडाखोर के राजस्व गांव पूरुवापार में लाखों रुपये की लागत से बना सामुदायिक शौचालय अनुपयोगी साबित हो रहा है। स्वच्छ भारत मिशन के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में नागरिकों को स्वच्छ शौचालय सुविधा देने के उद्देश्य से इसका निर्माण कराया गया था, लेकिन यह केवल दिखावा बनकर रह गया है। ग्रामीणों का आरोप है कि सामुदायिक शौचालय पर अधिकतर समय ताला लगा रहता है। इसे आम लोगों के उपयोग के लिए नियमित रूप से नहीं खोला जाता, जिससे ग्रामीणों को इसका कोई लाभ नहीं मिल पा रहा है।

सरकार ने शौचालय के रखरखाव की जिम्मेदारी ग्राम प्रधान को सौंपी है। साथ ही, साफ–सफाई और संचालन के लिए आजीविका मिशन के तहत एक केयरटेकर भी नियुक्त किया गया है, लेकिन इसके बावजूद जमीनी स्तर पर व्यवस्थाएं सुचारु नहीं हैं। ग्रामीण हरिश्चंद्र ने बताया कि शौचालय का निर्माण तो हुआ है, लेकिन यह हमेशा बंद रहता है। आवश्यकता पड़ने पर भी इसका उपयोग नहीं किया जा सकता। ग्रामीण पवन कुमार ने कहा कि सरकार ने लोगों की सुविधा के लिए लाखों रुपये खर्च किए हैं, लेकिन जिम्मेदारों की लापरवाही से यह सुविधा केवल कागजोंतक सीमित रह गई है। ग्रामीण दर्शन का कहना है कि यदि शौचालय नियमित रूप से खोला जाए और साफ–सफाई की उचित व्यवस्था हो, तो ग्रामीणों को इसका लाभ मिल सकता है।इस संबंध में ग्राम प्रधान अंकित चौहान के प्रतिनिधि घनश्याम चौहान ने बताया कि उन्हें मामले की जानकारी मिली है। उन्होंने आश्वासन दिया कि यदि शौचालय नियमित रूप से नहीं खुल रहा है, तो इसकी जांच कराकर संबंधित केयरटेकर को आवश्यक निर्देश दिए जाएंगे, ताकि ग्रामीणों को शासन की इस योजना का पूरा लाभ मिल सके।

मरवटिया–गैडाखोर संपर्क मार्ग बदहाल, राहगीर परेशान: स्वीकृत पिच मार्ग का निर्माण कार्य शुरू नहीं

दैनिक बुद्ध का संदेश शशांक मिश्रा

खेसरहा। खेसरहा क्षेत्र में सेमरा–बेलौहा मार्ग से जुड़ा मरवटिया–गैडाखोर संपर्क नहर पिच मार्ग बदहाल स्थिति में है। बरसात के मौसम में यह कच्चा मार्ग कीचड़ और जलभराव से भर गया है, जिससे आवागमन में भारी परेशानी हो रही है। क्षेत्रीय विधायक द्वारा इस मार्ग के पक्कीकरण की कार्ययोजना स्वीकृत होने के बावजूद निर्माण कार्य अभी तक शुरू नहीं हो पाया है। यह संपर्क मार्ग कई गांवों को जोड़ता है और प्रतिदिन बड़ी संख्या में ग्रामीण, किसान, छात्र–छात्राएं, शिक्षक तथा अन्य राहगीर इसी रास्ते से आवागमन करते हैं। कच्चा होने के कारण

हल्की बारिश में ही सड़क फिसलन भरी हो जाती है, जिससे दोपहिया वाहन चालकों और पैदल चलने वालों को दुर्घटना का खतरा बना रहता है। किसानों को कृषि कार्य के लिए खेतों तक पहुंचने में कठिनाई हो रही है। वहीं, बच्चों और शिक्षकों को भी विद्यालय आने–जाने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मीणों ने अपनी परेशानी साझा की है। संतोष ने बताया कि बरसात के दिनों में इस मार्ग पर चलना बेहद मुश्किल हो जाता है और कई बार लोग फिसलकर गिर जाते हैं। राजेश ने कहा कि सड़क निर्माण की घोषणा के बावजूद कार्य शुरू न होने से लोगों में निराशा है। प्रभुनाथ के अनुसार, यह मार्ग क्षेत्र के कई गांवों की जीवनरेखा है, इसलिए इसका शीघ्र निर्माण कराया जाना चाहिए। दीपक ने बताया कि बारिश के समय वाहन निकालना भी कठिन हो जाता है, जिससे दैनिक कार्य प्रभावित हो रहे हैं। ग्रामीणों ने संबंधित विभाग एवं जनप्रतिनिधियों से मांग की है कि स्वीकृत पिच मार्ग का निर्माण कार्य जल्द शुरू कराया जाए। इससे बरसात के मौसम में लोगों को राहत मिलेगी और क्षेत्र की आवागमन व्यवस्था सुचारु हो सकेगी।

स्कूली बच्चों ने रैली निकालकर दिया स्वच्छता, स्वास्थ्य और शिक्षा का संदेश

दैनिक बुद्ध का संदेश

बढ़नी / सिद्धार्थनगर। विकास क्षेत्र बढ़नी के उच्च प्राथमिक विद्यालय सिसवा शिवभारी में बुधवार को जेई/एईएस दस्तक अभियान एवं स्कूल चलो अभियान के तहत जागरूकता रैली निकाली गई। रैली के माध्यम से ग्रामीणों को जापानी इंसेफेलाइटिस (जेई), एक्यूट इंसेफेलाइटिस सिंड्रोम (एईएस) की रोकथाम तथा बच्चों की शत–प्रतिशत स्कूल में उपस्थिति के प्रति जागरूक किया गया। विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक महेन्द्र कुमार मिश्र ने बताया कि 1 जुलाई से 31 जुलाई 2026 तक संचालित अभियान के अंतर्गत विद्यालय में दस्तक शपथ, संगीतमय टॉयलेट

गेम, ष्बैक्टीरिया मार गिराओष गेम, कक्षा संवेदीकरण, प्रार्थना सभा में जागरूकता कार्यक्रम तथा जनसंपर्क अभियान लगातार चलाए जा रहे हैं। इसी क्रम में विद्यालय परिसर से सिसवा उर्फ शिवभारी गांव तक जागरूकता रैली निकाली गई। छात्र–छात्राएं हाथों में तख्तियां और बैनर लेकर ड्रम, ढोल एवं माइक के साथ गांव की गलियों में पहुंचे। इस दौरान उन्होंने ष्बुखार में देरी पड़ेगी भारीष, ष्चूहा, मच्छर और छछूंदर आने न दो घर के अंदरष तथा ष्पढ़ी–लिखी लड़की, घर की रोशनीष जैसे प्रेरक नारों के माध्यम से ग्रामीणों को स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं शिक्षा के प्रति जागरूक किया। रैली के दौरान शिक्षकों ने ग्रामीणों से अपील की कि बच्चों को नियमित रूप से विद्यालय भेजें, बुखार या बीमारी के लक्षण दिखाई देने पर तत्काल स्वास्थ्य केंद्र पर संपर्क करें तथा घर एवं आसपास साफ–सफाई बनाए रखें। विद्यालय परिवार ने कहा कि ऐसे जनजागरूकता कार्यक्रमों का उद्देश्य समाज को स्वास्थ्य और शिक्षा के प्रति जागरूक बनाकर सुरक्षित एवं शिक्षित वातावरण तैयार करना है।

भूमि विवाद में बवाल, दो कमरे और पक्की दीवार तोड़ने का आरोप

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनग। शोहरतगढ़ तहसील क्षेत्र के ग्राम गड़ाकुल तप्पा बरहो में भूमि विवाद को लेकर दबंगों द्वारा दो कमरे और लगभग 100 फीट लंबी पक्की चारदीवारी तोड़ने तथा रातोंरात अवैध रास्ता बनाने का मामला सामने आया है। पीड़ित ने सोमवार को आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में शिकायत देकर कार्रवाई और क्षतिपूर्ति की मांग की है। नगर पंचायत शोहरतगढ़ निवासी श्याम सुन्दर पुत्र बजरंग लाल ने उपजिलाधिकारी को दिए गए प्रार्थना–पत्र में बताया कि ग्राम गड़ाकुल तप्पा बरहो स्थित उनकी आराजी गाटा संख्या 646 (रकबा 0.0810 हेक्टेयर) पर दो पक्के कमरे तथा पश्चिम दिशा में लगभग 100 फीट लंबी, 14 इंच चौड़ी और 12 फीट ऊंची ईंट की पक्की चारदीवारी बनी हुई थी। शिकायत के अनुसार, 19 जून को विरोध करने के बावजूद आरोपितों ने 20 जून की रात कथित रूप से प्रार्थी की भूमि पर

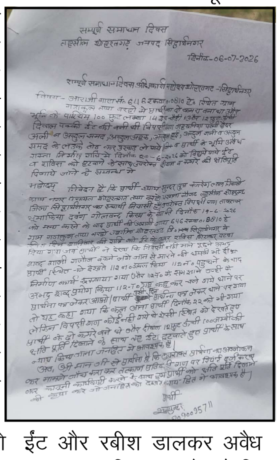
सम्पूर्ण समाधान दिवस
तहसील शोहरतगढ़ जनपद सिद्धार्थनगर
दिनांक-06-07-2026

ईंट और रबीश डालकर अवैध रास्ता बना दिया। आरोप है कि इस दौरान चारदीवारी और कमरों को भी क्षतिग्रस्त कर दिया गया। विरोध करने पर गाली–गलौज की गई और जान से मारने की धमकी भी दी गई। पीड़ित का कहना है कि उसने तत्काल डायल–112 पर सूचना दी, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और निर्माण कार्य रुकवाया। इसके बाद वह थाना शोहरतगढ़ में भी शिकायत देने गया, लेकिन अब तक आरोपितों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। पीड़ित ने संपूर्ण समाधान दिवस में दिए गए प्रार्थना–पत्र में आरोपित जहीरुन्निसा, अब्दुल समद, अब्दुल हई, अब्दुल गनी तथा अन्य संबंधित लोगों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कराने, अवैध रूप से बनाए गए रास्ते को हटवाने, क्षतिग्रस्त कमरों और चारदीवारी की क्षतिपूर्ति दिलाने तथा अपनी भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराने की मांग की है।उपजिलाधिकारी कार्यालय ने शिकायत प्राप्त होने के बाद मामले की जांच कर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

यूपी बोर्ड के अंकपत्रों का इंतजार खत्म, स्कूलों में शुरू हुआ वितरण

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद (यूपी बोर्ड) की हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट परीक्षा–2026 में सफल विद्यार्थियों के लिए राहत भरी खबर है। जिले में हाईस्कूल के मूल अंकपत्र और प्रमाणपत्र विद्यालयों तक पहुंचने शुरू हो गए हैं। जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय से राजकीय, सहायता प्राप्त एवं वित्तविहीन विद्यालयों को चरणबद्ध तरीके से अभिलेख वितरित किए जा रहे हैं।जिला विद्यालय निरीक्षक अरुण कुमार ने बताया कि जिले के सभी हाईस्कूलों के 32,702 तथा इंटरमीडिएट के 22,850 मूल अंकपत्र प्राप्त हो चुके हैं। इन्हें संबंधित विद्यालयों को सौंपा जा रहा है, ताकि छात्र–छात्राओं को समय पर अंकपत्र मिल सकें।उन्होंने बताया कि पहले मूल अंकपत्र और प्रमाणपत्र उपलब्ध न होने के कारण विद्यार्थियों को प्रवेश, छात्रवृत्ति, प्रतियोगी परीक्षाओं में आवेदन और अन्य शैक्षिक औपचारिकताओं में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। अब अंकपत्र मिलने से जिले के 55 हजार से अधिक सफल छात्र–छात्राओं और उनके अभिभावकों ने राहत की सांस ली है।जिला विद्यालय निरीक्षक ने सभी विद्यालयों से निर्देशानुसार अंकपत्रों का शीघ्र वितरण सुनिश्चित करने को कहा है, ताकि विद्यार्थियों को आगे की पढ़ाई और अन्य आवश्यक कार्यों में किसी प्रकार की परेशानी न हो।

बीज कारोबार होगा पूरी तरह डिजिटल, 15 जुलाई तक कराना होगा ऑनलाइन पंजीकरण

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जिले में बीज कारोबार को पारदर्शी और डिजिटल बनाने की दिशा में .षि विभाग ने नई व्यवस्था लागू की है। अब जिले के सभी बीज विक्रेताओं को श्साथीश पोर्टल पर ऑनलाइन पंजीकरण कराना अनिवार्य होगा।

विभाग ने इसके लिए 15 जुलाई तक का समय निर्धारित किया है। तय समय तक पंजीकरण नहीं कराने वाले विक्रेताओं के लाइसेंस निरस्त करने की कार्रवाई की जाएगी।.षि विभाग के अनुसार जिले में बीज और उर्वरक कारोबार से जुड़ी 1,680 दुकानों को अपने यूजर आईडी और पासवर्ड के माध्यम से साथी पोर्टल पर पंजीकरण कराना होगा। पंजीकरण के बाद दुकानदारों को उपलब्ध बीज, कंपनी और स्टॉक का पूरा विवरण ऑनलाइन दर्ज करना होगा।नई व्यवस्था लागू होने से किसान किसी भी दुकान पर उपलब्ध बीज की कंपनी, गुणवत्ता और स्टॉक की जानकारी आसानी से प्राप्त कर सकेंगे। इससे गुणवत्ताहीन या गलत बीज की बिक्री पर रोक लगेगी और किसानों को प्रमाणित बीज उपलब्ध कराने में सुविधा होगी।.षि विभाग का कहना है कि ऑनलाइन व्यवस्था लागू होने से बीज की खरीद–फरोख्त में पारदर्शिता बढ़ेगी। साथ ही गुणवत्ता संबंधी शिकायतों के त्वरित निस्तारण में भी मदद मिलेगी। किसानों को बेहतर गुणवत्ता का बीज मिलने से फसल उत्पादन में सुधार होने की उम्मीद है।विभाग ने सभी बीज विक्रेताओं से निर्धारित समय सीमा के भीतर पंजीकरण पूरा करने की अपील की है, ताकि नई व्यवस्था का सुचारु संचालन सुनिश्चित किया जा सके।

राष्ट्रीय मध्यस्थता अभियान 2.0 शुरू, वादकारियों से सुलह योग्य मामलों को मध्यस्थता केंद्र भेजने की अपील

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा), नई दिल्ली, उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ तथा मीडियेशन एवं कंसीलियेशन प्रोजेक्ट कमेटी, माननीय सर्वोच्च न्यायालय के तत्वावधान में राष्ट्रीय मध्यस्थता अभियान 2.0 के तहत जिले में व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य न्यायालयों में लंबित मामलों का मध्यस्थता के माध्यम से आपसी सुलह–समझौते के आधार पर त्वरित एवं सौहार्दपूर्ण निस्तारण कराना है।माननीय प्रभारी जनपद न्यायाधीश एवं अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सिद्धार्थनगर मोहम्मद रफी के निर्देश पर सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण शैलेन्द्र नाथ ने बताया कि राष्ट्रीय स्तर पर 1 जनवरी 2026 से संचालित इस अभियान के सफल क्रियान्वयन के लिए जनपद में व्यापक प्रचार–प्रसार किया जा रहा है।उन्होंने बताया कि अभियान के अंतर्गत वैवाहिक विवाद, मोटर दुर्घटना दावा, उपभोक्ता विवाद, संपत्ति बंटवारा, बेदखली, भूमि अधिग्रहण, घरेलू हिंसा, चेक बाउंस, आपराधिक मामलों सहित अन्य सुलह योग्य दीवानी मामलों का मध्यस्थता के माध्यम से निस्तारण कराया जा सकता है।जनजागरूकता के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कार्यालय तथा जनपद की सभी तहसीलों में तैनात पराविधिक स्वयंसेवकों (पीएलवी) के माध्यम से बैनर, पोस्टर एवं हैंडबिल वितरित किए जा रहे हैं तथा प्रमुख सार्वजनिक स्थलों पर प्रचार सामग्री चस्पा की जा रही है।सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण शैलेन्द्र नाथ ने जनपद के सभी वादकारियों एवं आम नागरिकों से अपील की है कि सुलह योग्य मामलों को अधिक से अधिक संख्या में मध्यस्थता केंद्र, सिद्धार्थनगर में संदर्भित कराकर इस अभियान को सफल बनाने में सहयोग करें।उन्होंने कहा कि मध्यस्थता के माध्यम से विवादों का समाधान न केवल समय और धन की बचत करता है, बल्कि आपसी संबंधों को भी बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

सड़क हादसे में घायल युवक मदद के लिए लगाता रहा गुहार, वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल

कुशीनगर। जनपद के कसया थाना क्षेत्र के बाड़ी पुल के समीप एक सड़क हादसे के बाद यातायात पुलिस और होमगार्ड के एक जवान के कथित रवैये को लेकर स्थानीय लोगों में भारी नाराजगी देखने को मिल रही है। घटना का वीडियो सामने आने के बाद पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं। प्रत्यक्षदर्शियों का आरोप है कि गंभीर रूप से घायल दुकानदार को तत्काल अस्पताल पहुंचाने के बजाय पुलिसकर्मी पूछताछ में उलझे रहे और बाद में मौके से चले गए।

जानकारी के अनुसार शामपुर–हतवा मार्ग के मोड़ के सामने अपनी गुमटी बंद कर सड़क पार कर रहे दुकानदार निराला तिवारी को कसया की ओर से तेज रफ्तार आ रही एक बाइक ने जोरदार टक्कर मार दी। आरोप है कि बाइक चला रहा व्यक्ति होमगार्ड का जवान था। टक्कर इतनी तेज थी कि निराला तिवारी सड़क पर गिर पड़े और गंभीर रूप से घायल हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि दुर्घटना के तुरंत बाद स्थानीय लोग घायल की मदद के लिए दौड़ पड़े और उसे अस्पताल पहुंचाने की मांग करने लगे। आरोप है कि इस दौरान संबंधित होमगार्ड जवान ने वर्दी का रौब दिखाते हुए लोगों से अभद्र व्यवहार किया। इसी बीच मौके पर पहुंची यातायात पुलिस से भी लोगों ने घायल युवक को तत्काल अस्पताल भिजवाने की अपील किया लेकिन पुलिस पहले घायल से नाम–पता और वाहन से संबंधित जानकारी पूछने में जुटे रहे।

स्थानीय लोगों का दावा है कि घायल दर्द से कराहते हुए पुलिसकर्मियों से इलाज कराने की गुहार लगाता रहा। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार घायल ने कहा कि उसके मुंह से खून निकल रहा है और पहले इलाज की आवश्यकता है, लेकिन उसकी बात को प्राथमिकता नहीं दी गई। लोगों का आरोप है कि पूछताछ के बाद यातायात पुलिस मौके से चली गई, जबकि घायल काफी देर तक सड़क पर पड़ा रहा। बाद में स्थानीय लोगों ने स्वयं उसे अस्पताल पहुंचाकर उपचार की व्यवस्था कराई। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद लोगों में आक्रोश बढ़ गया है। स्थानीय नागरिकों ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने, ड्यूटी में लापरवाही बरतने वाले पुलिसकर्मियों तथा संबंधित होमगार्ड के जवान के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग किया है। उनका कहना है कि सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति को तत्काल चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराना पुलिस और प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी होती है। इस मामले में कसया थानाध्यक्ष इत्यानंद पांडेय ने बताया कि घटना की जानकारी मिली है और पूरे प्रकरण की गंभीरता से जांच कराई जा रही है। उन्होंने कहा कि जांच में जो भी दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी। कानून सभी के लिए समान है और किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा।

तकनीकी युग में सूचनाओं, समाचारों के साथ मानवीय पक्ष को सबल बनाना होगा: मनीष मिश्रा

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। सोमवार को बस्ती न्यूज टाइम्स का 11 वां स्थापना दिवस प्रेस क्लब सभागार में संकल्पों के साथ मनाया गया। मुख्य अतिथि डीआईजी संजीव त्यागी ने कहा कि बस्ती मण्डल की पत्रकारिता में मर्यादा पुरूषोत्तम श्रीराम, महात्मा बुद्ध, कबीर की संचेतना जुड़ी हुई है। यहां की पत्रकारिता सृजन से जुड़ी है। उन्होने इस मौके पर अनेक विभूतियों को सम्मानित किया। विशिष्ट अतिथि पहल सोशल वेल फेयर एण्ड एजूकेशनल सोसायटी संस्थापक मनीष मिश्रा ने कहा कि बेस से स्पेस तक ले जाने के उनके अभियान में पत्रकारिता सहभागी बने और उनकी खामियों को भी बताये जिससे उसका समाधान हो सके। कहा कि समाज को पत्रकारिता की जरूरत सदैव रहेगी। पत्रकारों को नये तकनीकी युग में सूचनाओं, समाचारों के साथ मानवीय पक्ष को सबल बनाना होगा।भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं बनकटी नगर पंचायत अध्यक्ष के प्रतिनिधि अरविन्द पाल ने प्रेस क्लब सभागार में आयोजित 'डिजिटल पत्रकारिता का भविष्य

और चुनौतिया' विषयक संगोष्ठी में कहा कि जन सरोकारों से ही पत्रकारिता सबल होगी। कहा कि समाज की जिम्मेदारी है कि पत्रकारिता की मजबूती के लिये योगदान दें जिससे पत्रकारिता की धार और धारा सबल हो। राना दिनेश प्रताप सिंह, रामायण सिंह ने कहा कि पत्रकार ही हमें बताते हैं कि देश समाज में क्या हो रहा है और क्या होना चाहिये। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ कवि डा. राम.ष्ण लाल 'जगमग' और संचालन प्रेस क्लब अध्यक्ष विनोद उपाध्याय ने किया।संगोष्ठी में डा. आलोक रंजन ने कहा कि समय के साथ माध्यम बदलेंगे किन्तु हमें जन सरोकारों से जुड़े रहना होगा। पत्रकार जयन्त मिश्र ने कहा कि पत्रकारों को जन सरोकारों से जुड़ना होगा। उन्हें और अधिक पारदर्शी होना होगा, समाचारों के त्वरित प्रेषण में सावधानी आवश्यक है। डा. पी.एन. द्विवेदी, पत्रकार हरीश पाल, प्रदीप चन्द्र पाण्डेय, विनोद उपाध्याय, डा. त्रिभुवन प्रसाद मिश्र, अभयदेव शुक्ल, अशोक श्रीवास्तव, वागार्थ सां.त्यांयन, डा. अंकित चतुर्वेदी, जे.पी. तिवारी, जगदीश शुक्ल, अनुराग श्रीवास्तव, अशोक कुमार मिश्र, डा. शाह आलम, अशोक सम्राट, मुस्लिमा खान आदि ने कहा कि पत्रकारिता त्याग का क्षेत्र है, बिना सहयोग के पत्रकारिता संभव नहीं है। कहा कि डिजिटल मीडिया ने भारतीय पत्रकारिता को विश्व व्यापी बना दिया है ऐसे में समाचारों के प्रेषण का स्तर बेहतर बनाना होगा। वरिष्ठ कवि डा. राम.ष्ण लाल जगमग ने विस्तार के साथ पत्रकारिता के विविध रूपों पर चर्चा करते हुये कहा कि अभिव्यक्ति का माध्यम चाहे जो हो हमें विश्वसनीयता बनाये रखना होगा।इस अवसर पर महेन्द्र तिवारी, अनुराग श्रीवास्तव, जीशान हैदर रिजवी, संध्या दीक्षित, नीलम श्रीवास्तव, राकेश तिवारी, एल.के. पाण्डेय, ई. वीरेन्द्र कुमार मिश्र, राकेश चर्तुवेदी, शिखा चतुर्वेदी, संजीव पाण्डेय, शानू एन्टोनी, दयाराम चौधरी, संजय प्रताप जायसवाल, अभय कुमार पाण्डेय, राजेश कुमार चौधरी, सुष्मिता शानू, डा. अरूणा सिंह पाल, सन्तोष सिंह, मुस्लिमा खातून, अरूण कुमार, अमर सोनी, रितिक कुमार, वशिष्ठ पाण्डेय, शकील खान, प्रशान्त पाण्डेय, वकील सिद्दीकी, अखिलेश यादव, तबरेज आलम, मनीष मिश्रा, उमंग प्रताप सिंह, लवकुश सिंह , अनिल कुमार पाण्डेय, मनीष कुमार, रामप्रीत वरूण, ओंकार चर्तुवेदी, सरिता त्रिपाठी, सरोज आर्य, गरिमा सिंह, वी.पी. लहरी, सरदार आशु सिंह, प्रशान्त पाण्डेय, मो. अशरफ खां, जितेन्द्र यादव, राजेश चौधरी, चन्द्र प्रकाश चौधरी, सन्तोष तिवारी, राहुल सिंह, विनय शुक्ला, जे.पी. सिंह, गोपाल त्रिपाठी, गोपाल .ष्ण अग्रवाल, राम बाबू श्रीवास्तव, डा. हेमन्त पाण्डेय, राकेश चन्द्र श्रीवास्तव 'बिन्नू', देवेन्द्र पाण्डेय, वृजेश सिंह मुन्ना, अजय सिंह टिकूं, के.पी. राठौर, वृजेश कुमार आर्य, राजेन्द्र उपाध्याय, आदि को प्रमाण–पत्र, स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया गया। आभार ज्ञापन सम्पादक राजेश पाण्डेय ने किया, कहा कि जन सरोकारों पर केन्द्रित पत्रकारिता उनका लक्ष्य है। कार्यक्रम में संदीप गोयल, अनूप मिश्र, के साथ ही अनेक समाजसेवी, पत्रकारगण उपस्थित रहे।

तहसील समाधान दिवस में डीएम ने अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश, 60 शिकायतों की हुई सुनवाई

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। शासन की मंशा के अनुरूप तहसील शोहरतगढ़ में सोमवार को संपूर्ण तहसील समाधान दिवस का आयोजन जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जी.एन. की अध्यक्षता एवं पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन की उपस्थिति में किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों से संबंधित शिकायतों की सुनवाई कर उनके त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए गए। तहसील समाधान दिवस के दौरान राजस्व, विकास, शिक्षा, पूर्ति, विद्युत, सिंचाई तथा अन्य विभागों से संबंधित शिकायतों की सुनवाई जिलाधिकारी ने की, जबकि पुलिस विभाग से जुड़ी शिकायतों की सुनवाई पुलिस अधीक्षक ने की। इस दौरान उपजिलाधिकारी शोहरतगढ़ कर्मेन्द्र भी मौजूद रहे। जिलाधिकारी ने पिछले तहसील समाधान दिवस में प्राप्त शिकायतों की आख्या का अवलोकन करते हुए आवश्यक मामलों में तत्काल जिला स्तरीय टीम गठित कर मौके पर जांच कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि भूमि संबंधी विवादों का मौके पर निरीक्षण कर निष्पक्ष एवं समयबद्ध तरीके से निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। डीएम ने सभी जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि तहसील समाधान दिवस और आईजीआरएस पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों का समय से एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि शिकायतों की जांच शिकायतकर्ता एवं विपक्षी दोनों की उपस्थिति में की जाए, ताकि निष्पक्ष कार्रवाई सुनिश्चित हो सके। उन्होंने कानूनगो एवं लेखपालों को भूमि संपत्ति रजिस्टर तथा भूमि विवाद रजिस्टर अनिवार्य रूप से तैयार करने के निर्देश दिए। साथ ही चेतावनी दी कि तहसील दिवस का कोई भी प्रकरण लंबित नहीं रहना चाहिए। यदि किसी विभाग की लापरवाही सामने आती है तो संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। लेखपाल एवं कानूनगो को शिकायतों के निस्तारण से पूर्व मौके का निरीक्षण कर तथ्यात्मक आख्या प्रस्तुत करने के निर्देश भी दिए गए। तहसील समाधान दिवस में कुल 60 प्रार्थना–पत्र प्राप्त हुए। इनमें राजस्व विभाग के 51, पुलिस के 3, विकास के 2, विद्युत के 2, नगर पंचायत का 1 तथा सिंचाई विभाग का 1 प्रार्थना–पत्र शामिल रहा। राजस्व विभाग से संबंधित ''5 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण'' कर दिया गया, जबकि शेष शिकायतों के तीन दिन के भीतर शत–प्रतिशत निस्तारण के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए। इस अवसर पर पीडी, डीडीओ ''राजमणि वर्मा'', डीसी मनरेगा ''संदीप सिंह'', जिला पंचायत राज अधिकारी ''वाचस्पति झा'', तहसीलदार शोहरतगढ़, क्षेत्र के सभी थानाध्यक्ष, खंड विकास अधिकारी एवं अन्य जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

लोक लेखा समिति (PAC) की बैठक में सांसद जगदंबिका पाल ने की सहभागिता

दैनिक बुद्ध का संदेश

नई दिल्ली। नई दिल्ली स्थित संसद भवन एनेक्सी (Parliament House AnneÛe) में आयोजित लोकसभा की लोक लेखा समिति (च्ublic Accounts Committee & PAC) की बैठक में डुमरियागंज लोकसभा क्षेत्र के सांसद जगदंबिका पाल ने सहभागिता की। बैठक के दौरान जनहित, वित्तीय अनुशासन, प्रशासनिक पारदर्शिता तथा सार्वजनिक धन के प्रभावी उपयोग से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत विचार–विमर्श किया गया। साथ ही, नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (C&AG)की ऑडिट रिपोर्टों में उल्लिखित विषयों एवं उनसे संबंधित अनुशंसाओं पर भी समिति के सदस्यों द्वारा गंभीरता से चर्चा की गई। बैठक में सरकारी योजनाओं एवं कार्यक्रमों के क्रियान्वयन की समीक्षा, जवाबदेही सुनिश्चित करने तथा सार्वजनिक संसाधनों के पारदर्शी एवं दक्षतापूर्ण उपयोग को और अधिक सुदृढ़ बनाने के विभिन्न पहलुओं पर विचार किया गया। इस अवसर पर सांसद जगदंबिका पाल ने कहा कि लोक लेखा समिति संसद की है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रहित एवं जनकल्याण से जुड़े विषयों पर सक्रिय सहभागिता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करना उनका सौभाग्य है तथा वे सदैव जनता के हितों की रक्षा और सुशासन को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। बैठक में उपस्थित

एक महत्वपूर्ण समिति है, जो सार्वजनिक व्यय की निगरानी तथा वित्तीय जवाबदेही सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती सदस्यों ने वित्तीय प्रबंधन, पारदर्शिता और जवाबदेही को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए अपने–अपने सुझाव भी प्रस्तुत किए।

राष्ट्रीय सहकारिता सप्ताह: नाबार्ड ने आयोजित की जिला स्तरीय मत्स्य कार्यशाला, डिजिटल प्लेटफॉर्म और केसीसी पर दिया जोर

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। राष्ट्रीय सहकारिता सप्ताह (22 जून से 6 जुलाई 2026) के अंतर्गत राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) की ओर से विकास भवन स्थित डॉ. भीमराव आंबेडकर सभागार में जिला स्तरीय मत्स्य कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मत्स्य पालन को आधुनिक तकनीक, डिजिटल सेवाओं और संस्थागत वित्त से जोड़ने पर विशेष जोर दिया गया। मुख्य अतिथि मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह रहे। मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि उत्तर प्रदेश मत्स्य उत्पादन में देश में तीसरे स्थान पर है, जबकि प्रदेश में सिद्धार्थनगर दूसरे स्थान पर है, जो जिले के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि कृषि के साथ मत्स्य पालन, पशुपालन और उद्यानिकी जैसी गतिविधियों को बढ़ावा देकर किसानों की आय में उल्लेखनीय वृद्धि की जा सकती है। उन्होंने मत्स्य पालकों से सरकार की विभिन्न योजनाओं और डिजिटल प्लेटफॉर्म का अधिकतम लाभ उठाने की अपील की तथा बैंकों और विभागीय अधिकारियों को

पात्र लाभार्थियों को समयबद्ध ऋण उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं को भी मत्स्य पालन से जोड़ने पर बल दिया। अग्रणी बैंक प्रबंधक रवि कुमार सिन्हा ने कहा कि मत्स्य पालक अपने सभी आवश्यक दस्तावेज पूर्ण रखें, ताकि बैंक ऋण स्वीकृत करने में किसी प्रकार की परेशानी न हो। उन्होंने कहा कि बैंक ऋण और सरकारी अनुदान के माध्यम से मत्स्य पालन को बड़े स्तर पर विकसित किया जा सकता है। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य राष्ट्रीय मत्स्य डिजिटल प्लेटफॉर्म (छथ्क्द) के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा इसके माध्यम से मत्स्य पालकों की किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) और अन्य वित्तीय सेवाओं तक आसान पहुंच सुनिश्चित करना था। इस दौरान मत्स्य विभाग, विभिन्न बैंकों, उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक, कॉमन सर्विस सेंटर (ब्), मत्स्य उत्पादक संगठनों (एफपीओ) तथा बड़ी संख्या में मत्स्य पालकों ने सहभागिता की। नाबार्ड के जिला विकास प्रबंधक हिमांशु त्रिपाठी ने कहा कि राष्ट्रीय मत्स्य डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से मत्स्य क्षेत्र में ऋण वितरण प्रक्रिया अधिक पारदर्शी, सरल और प्रभावी बनेगी। उन्होंने सभी बैंक शाखाओं से मत्स्य किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) के आवेदनों का शीघ्र निस्तारण करने और मत्स्य क्षेत्र में संस्थागत वित्त को बढ़ावा देने का आग्रह किया। उन्होंने नाबार्ड के च्व्क्ष् समर्थित मत्स्य एफपीओ की प्रगति की समीक्षा करते हुए सभी विभागों एवं हितधारकों के समन्वित प्रयासों की आवश्यकता बताई। मत्स्य निरीक्षक राहुल कुमार ने मत्स्य बीमा योजना की प्रक्रिया और उसके लाभों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं से प्रतिभागियों को अवगत कराते हुए अधिक से अधिक मत्स्य पालकों से इनका लाभ उठाने की अपील की। कार्यशाला के दौरान कॉमन सर्विस सेंटर (ब्) के माध्यम से प्रतिभागियों का राष्ट्रीय मत्स्य डिजिटल प्लेटफॉर्म (छथ्क्द) पर पंजीकरण भी कराया गया। कार्यक्रम का संचालन गौतम बुद्ध जागृति समिति के सचिव श्रीधर पाण्डेय ने किया। आयोजन को सफल बनाने में सुनील कुमार, ममता, सुधा, संजना, अनीता, राम बहल और मुहम्मद मुस्लिम सहित अन्य सहयोगियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

जिलाधिकारी ने परसिया में रोवर तकनीक से हो रहे सीमांकन कार्य का किया निरीक्षण

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने सोमवार को तहसील शोहरतगढ़ के ग्राम परसिया पहुंचकर उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता–2006 की धारा–24 के अंतर्गत रोवर तकनीक के माध्यम से किए जा रहे सीमांकन कार्य का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को रोवर तकनीक का अधिकतम उपयोग कर भूमि विवादों का त्वरित एवं त्रुटिरहित निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने बताया कि उत्तर प्रदेश सरकार ने किसानों की भूमि संबंधी समस्याओं के आसान और सटीक समाधान के लिए रोवर तकनीक उपलब्ध कराई है। इस तकनीक के माध्यम से किसी भी गाटा संख्या की वास्तविक स्थिति का सटीक निर्धारण किया जा सकता है, जिससे सीमांकन में त्रुटि की संभावना बेहद कम हो जाती है। उन्होंने कहा कि खेतों के कब्जे और सीमांकन को लेकर होने वाले विवादों के समाधान में यह तकनीक बेहद प्रभावी साबित हो रही है। ग्राम परसिया में धारा–24 के अंतर्गत रोवर तकनीक से किए जा रहे सीमांकन कार्य का अवलोकन करने के बाद जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि अधिक से अधिक धारा–24 के प्रकरणों का निस्तारण इसी तकनीक के माध्यम से किया जाए। इस अवसर पर उपजिलाधिकारी शोहरतगढ़ करमेन्द्र, तहसीलदार प्रकाश सिंह, नायब तहसीलदार माधुर्य यादव, राजस्व निरीक्षक बृजेश त्रिपाठी सहित राजस्व विभाग के अन्य अधिकारी एवं लेखपाल उपस्थित रहे।

शोहरतगढ़ पुलिस ने जन चौपाल व बहू-बेटी सम्मेलन आयोजित कर महिलाओं को किया जागरूक

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। मिशन शक्ति फेज–5.0 के द्वितीय चरण के तहत सोमवार को थाना शोहरतगढ़ पुलिस द्वारा जन

चौपाल एवं बहू–बेटी सम्मेलन का आयोजन कर महिलाओं और बालिकाओं को सुरक्षा, अधिकारों तथा हेल्पलाइन सेवाओं के प्रति जागरूक किया गया। पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार प्रसाद एवं क्षेत्राधिकारी मयंक द्विवेदी के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक नवीन कुमार सिंह के नेतृत्व में थाना क्षेत्र के नीबी दोहनी में कार्यक्रम आयोजित किया गया। सम्मेलन में महिलाओं एवं बालिकाओं को दहेज उत्पीड़न, पॉक्सो एक्ट, महिला उत्पीड़न, साइबर अपराध और घरेलू हिंसा से संबंधित कानूनों की जानकारी दी गई। साथ ही किसी भी प्रकार की आपराधिक घटना से बचाव के उपाय बताते हुए पीड़ित महिलाओं की काउंसिलिंग भी की गई। पुलिस टीम ने मिशन शक्ति 5.0 के स्टिकर चस्पा कर प्रदेश सरकार द्वारा सभी थानों पर स्थापित मिशन शक्ति केंद्र की जानकारी दी, जहां महिलाएं अपनी समस्याएं दर्ज करा सकती हैं। इस दौरान महिला सुरक्षा से जुड़े हेल्पलाइन नंबर 1090 (वूमेन पावर लाइन), 181 (महिला हेल्पलाइन), 112 (पुलिस), 1098 (चाइल्ड हेल्पलाइन), 1076 (मुख्यमंत्री हेल्पलाइन), 108 (एम्बुलेंस), 101 (अग्निशमन), 14567 (एल्डर हेल्पलाइन) तथा 1930 (साइबर हेल्पलाइन) के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। इसके अलावा नए कानून, लिंगानुपात, बाल विवाह, लैंगिक शोषण एवं यातायात नियमों के प्रति भी जागरूक किया गया। इस अवसर पर उपनिरीक्षक राजकुमार यादव, मुख्य आरक्षी अविनाश सिंह, महिला आरक्षी रूबी दुबे एवं शोभा भारती सहित पुलिस टीम मौजूद रही।

इफको एमसी की दवा की खरीद पर मिलेगा किसानों को मुफ्त बीमा योगेंद्र कुमार

दैनिक बुद्ध का संदेश

उसका बाजार/सिद्धार्थनगर। सोमवार को ग्राम सभा बसवानपुर के टोला नगवा में इफको एमसी के द्वारा किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें इफको एमसी के क्षेत्रीय अधिकारी योगेन्द्र कुमार ने किसानों को जागरूक करते हुए कहा कि इफको एमसी की दवा खरीदने के साथ साथ किसानों को एक लाख तक दुर्घटना बीमा इफको एमसी देगी इन्होंने माइकोजेन के बारे में बताते हुए कहा कि इसको अपने फसल में डालने से आपकी फसल में पैदावार और कल्लेदार होंगे अगर आपके मिट्टी में यूरिया डीएपी पड़ा भी है तो इसको भरपूर पौधों को देने में काम करेगा इसके साथ इन्होंने खेती किस तरीका से किया जाय एवं मिट्टी बचाओ अभियान के तहत कम उर्वरक खेत में डालने का भी सलाह दीया । एग्रीजंक्शन वन स्टॉप शॉप के प्रोपराइटर अनंत कुमार मिश्र ने किसानों को फॉर्मर रजिस्ट्री के बारे में जानकारी दी इन्होंने कहा कि सभी किसान फॉर्मर रजिस्ट्री अवश्य कराए और खाद लेने अगर जा रहे है तो फॉर्मर रजिस्ट्री लेकर जाए इसके साथ कृषि गोदाम से बीज लेने के लिए ऑनलाइन बुकिंग करना होगा तभी जाकर कृषि बीज गोदाम से बीज के सकते है उसके साथ जितने भी सरकारी योजना है कृषि द्वारा फॉर्मर रजिस्ट्री से आसानी से लाभ उठा सकते है । किसान गोष्ठी के दौरान प्रधान वसीम , अखिलेश यादव, संजय कुमार , अर्जुन आदि लोग मौजूद रहे।

बढ़नी– चाय पी रहे युवक पर पीछे से चाकू से वार, हालत गंभीर

दैनिक बुद्ध का संदेश

बढ़नी/सिद्धार्थनगर। ढेबरुआ कोतवाली क्षेत्र के नगर पंचायत बढ़नी स्थित बस स्टॉप (तिरंगा) तिराहे पर रविवार की शाम पुरानी रंजिश के चलते एक युवक पर चाकू से हमला कर दिया गया। हमले में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। प्राथमिक उपचार के बाद उसे जिला मुख्यालय स्थित माधव प्रसाद त्रिपाठी मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। जानकारी के अनुसार, वार्ड नंबर–1 बस स्टॉप निवासी जियाउर्रहमान पुत्र सलीमुद्दीन रविवार शाम करीब छह बजे विनोद मिष्ठान भंडार पर बैठकर चाय पी रहे थे। इसी दौरान ग्राम सेवरा निवासी उस्मान वहां पहुंचा और कथित रूप से पीछे से चाकू से हमला कर दिया। हमले में जियाउर्रहमान के सिर पर गंभीर चोट लगी, जिससे वह लहूलुहान होकर जमीन पर गिर पड़े। घटना के बाद मौके पर अफरा–तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने घायल को तत्काल प्राथमिक स्वास्थ्य

केंद्र बढ़नी पहुंचाया। वहां तैनात डॉ. प्रदीप वर्मा ने प्राथमिक उपचार किया। सिर पर गहरी चोट एवं अत्यधिक रक्तस्राव को देखते हुए चिकित्सक ने उन्हें बेहतर उपचार के लिए माधव प्रसाद त्रिपाठी मेडिकल कॉलेज, सिद्धार्थनगर रेफर कर दिया। व्यस्त बस स्टॉप तिराहे पर हुई इस घटना से व्यापारियों और राहगीरों में दहशत फैल गई। स्थानीय लोगों का कहना है कि सार्वजनिक स्थान पर इस प्रकार की घटना से सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चिंता बढ़ी है। उधर, ढेबरुआ कोतवाली प्रभारी दुर्गा प्रसाद ने बताया कि पीड़ित पक्ष की तहरीर के आधार पर आरोपी के विरुद्ध सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है तथा आरोपी की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है। पुलिस ने जल्द आरोपी को गिरफ्तार करने का दावा किया है।

जनाजे में जा रहे दो युवकों की सड़क हादसे में दर्दनाक मौत

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। शिवनगर डिडई थाना के ठीक सामने सोमवार को दो मोटरसाइकिलों की आमने –सामने हुई भीषण टक्कर में दो युवकों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद मौके पर अफरा–तफरी मच गई। जानकारी के अनुसार, मिश्रौलिया थाना क्षेत्र के जिगिना गांव निवासी मोहम्मद आरिफ (30) पुत्र अतिकुर रहमान और मोहम्मद जीशान (16) पुत्र अब्दुल करीम, बस्ती जिले के गौर थाना क्षेत्र स्थित धोबहा गांव में एक जनाजे में शामिल होने जा रहे थे। इसी दौरान शिवनगर डिडई थाने के सामने उनकी बाइक की सामने से आ रही दूसरी मोटरसाइकिल से जोरदार भिड़ंत हो गई। दूसरी बाइक पर सवार अनुराग (27) पुत्र रामविलास, बस्ती जिले के सोनहा थाना क्षेत्र के आदमपुर गांव से शिवनगर थाना क्षेत्र के तुरकौलिया गांव की ओर जा रहा था। टक्कर इतनी तेज थी कि तीनों युवक सड़क पर दूर जा गिरे और दोनों मोटरसाइकिलों के परखच्चे उड़ गए। स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल भिजवाया।

अस्पताल में चिकित्सकों ने मोहम्मद आरिफ और मोहम्मद जीशान को मृत घोषित कर दिया, जबकि गंभीर रूप से घायल अनुराग का इलाज जारी है।

जिलाधिकारी ने सम्पूर्ण समाधान दिवस में सुनीं जनसमस्याएं, अधिकारियों को दिया गुणवत्तापूर्ण निस्तारण का निर्देश

कुशीनगर,। जनपद के कसया तहसील में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस की अध्यक्षता जिलाधिकारी महेंद्र सिंह तंवर ने की। इस दौरान उन्होंने आमजन की समस्याओं को गंभीरतापूर्वक सुना तथा संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक शिकायत का निष्पक्ष, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण निर्धारित समय–सीमा के भीतर सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि शासन की प्राथमिकता जनता की समस्याओं का त्वरित समाधान है, इसलिए शिकायतों के निस्तारण में किसी प्रकार की शिथिलता स्वीकार नहीं की जाएगी। सम्पूर्ण समाधान दिवस में विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 103 शिकायती प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए, जिनमें से 06 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण किया गया। शेष शिकायतों को आवश्यक परीक्षण एवं कार्रवाई हेतु संबंधित अधिकारियों को सौंपते हुए शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। इस दौरान जिलाधिकारी ने विशेष रूप से राजस्व एवं भूमि विवादों से जुड़े मामलों को प्राथमिकता के आधार पर निस्तारित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक अधिकारी शिकायतकर्ता से संवाद बनाए रखते हुए तथ्यों की निष्पक्ष जांच करें तथा निस्तारण इस प्रकार करें कि शिकायतकर्ता को संतोषजनक समाधान प्राप्त हो। साथ ही उन्होंने सभी विभागाध्यक्षों को निर्देशित किया कि लंबित प्रकरणों की नियमित समीक्षा करते हुए निर्धारित समयावधि में उनका निस्तारण सुनिश्चित करें।पुलिस अधीक्षक केशव कुमार ने पुलिस विभाग से संबंधित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रत्येक शिकायत की गंभीरता से जांच कर निष्पक्ष एवं समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

सम्पादकीय

इन सभी कारणों से ये दुर्घटनाग्रस्त वाहन सड़कों के किनारे यूं ही पड़े रहते हैं। यही वजह है कि हाईकोर्ट ने समस्या के निदान के लिये एक कारगर एक्शन प्लान की मांग की है। जिसमें जब्त वाहनों के लिये खास यार्ड बनाने, डिजिटल तरीके से पड़ताल, जब्त वाहनों को छोड़ने के लिये समयबद्ध प्रक्रिया और स्क्रैपिंग सेंटरों के जरिये वैज्ञानिक तरीके से रीसाइक्लिंग की सख्त ...

हटाएं सड़क किनारे पड़ी दुर्घटनाग्रस्त गाड़ियां

कैसी विडंबना है कि जिस जिम्मेदार व्यवहार को शासन–प्रशासन को अपने विवेक का इस्तेमाल करते हुए करना चाहिए, उसकी पहल अदालत को करनी पड़ रही है। हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट ने एक जरूरी नागरिक समस्या की ओर शासन–प्रशासन का ध्यान दिलाया है, जिसे अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है– सड़कों के किनारे छोड़े गए दुर्घटनाग्रस्त वाहन। जिनसे दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। दरअसल, शिमला एयरपोर्ट तक जाने वाली सड़क और जिला अदालत के आस–पास पड़ी अनेक दुर्घटनाग्रस्त गाड़ियों को देखकर ही अदालत ने यह बात कही। कोर्ट का कहना है कि ये दुर्घटनाग्रस्त गाड़ियां सड़क सुरक्षा के लिये खतरा और पर्यावरण के लिये नुकसानदेह हैं। निस्संदेह,यह प्रशासनिक लापरवाही का जीता–जागता उदाहरण है।

पहाड़ी राज्यों में, जहां सड़कें संकरी और घुमावदार होती हैं और लगातार भूस्खलन का खतरा बना रहता है, वहां सड़क की हर इंच जगह कीमती होती है। तार्किक ही है कि छोड़ी गई गाड़ियां सड़क की चौड़ाई को कम कर देती हैं। वहीं दूसरी ओर तीव्र मोड़ों पर देखने में बाधा डालती हैं। ये आपातकालीन सेवाओं की आवाजाही में भी बाधक बनती हैं। निस्संदेह, इससे दुर्घटना की आशंका बढ़ जाती है। विशेष रूप से बरसात के मौसम में जब फिसलन भरी सड़कों और कम दृश्यता के कारण वाहन चालक पहले ही ड्राइविंग में मुश्किलों का सामना कर रहे होते हैं। ऐसे में सड़कों को कबाड़खाने में तब्दील करने की इजाजत किसी भी कीमत पर नहीं दी जा सकती। दूसरी तरफ इन दुर्घटनाग्रस्त वाहनों के पर्यावरण पर पड़ने वाले नकारात्मक प्रभाव की भी अनदेखी नहीं की जा सकती। इनका पर्यावरण पर पड़ने वाला प्रभाव भी एक गंभीर समस्या है। क्षतिग्रस्त वाहनों से अक्सर ईंधन, इंजन ऑयल,कूलेंट, ब्रेक फ्लूइड तथा बैटरी एसिड रिसता रहता है। जिससे मिट्टी तथा जल–स्रोत प्रदूषित हो सकते हैं। हिमालय पर्वत शृंखलाओं जैसे पर्यावरणीय दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्रों में इस तरह के प्रदूषण के दूरगामी घातक प्रभाव हो सकते हैं। निश्चित रूप से पुलिस, परिवहन विभाग, नगर निकायों, बीमा कंपनियों और न्यायपालिका के बीच तालमेल न होने के कारण ही समस्या जटिल बनी हुई है। दुर्घटनाग्रस्त वाहनों के संबंध में जांच लंबित होने, बीमा संबंधी विवादों और दुर्घटनाग्रस्त वाहनों के लिये निर्धारित जगह न होने से यह समस्या जटिल बनी हुई है। इन सभी कारणों से ये दुर्घटनाग्रस्त वाहन सड़कों के किनारे यूं ही पड़े रहते हैं। यही वजह है कि हाईकोर्ट ने समस्या के निदान के लिये एक कारगर एक्शन प्लान की मांग की है। जिसमें जब्त वाहनों के लिये खास यार्ड बनाने, डिजिटल तरीके से पड़ताल, जब्त वाहनों को छोड़ने के लिये समयबद्ध प्रक्रिया और स्क्रैपिंग सेंटरों के जरिये वैज्ञानिक तरीके से रीसाइक्लिंग की सख्त जरूरत है। देश की शीर्ष अदालत ने भी बार–बार कहा है कि जब्त गाड़ियों को अनिश्चित समय के लिये सड़कों पर सड़ने के लिये नहीं छोड़ा जा सकता। सड़क सुरक्षा के मायने सिर्फ ट्रैफिक नियमों को लागू करवाना या संरचना को बेहतर बनाना ही नहीं है। वास्तव में लोगों की जान बचाने के लिये दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को सार्वजनिक स्थानों से हटाना भी एक बुनियादी प्रशासनिक जिम्मेदारी है।

डिजिटल क्रिएटर अलौकिक प्रशिक्षण

कई बार चीजें ऐसी होती हैं कि जो शायद समझ कम आएं, लेकिन समझ आने का जतन करना जरूरी है। शायद तब समझदारी भी इसी में मानी जाती है कि यह ठीक है या यह गलत है। जैसे बात करें बजट की। भारत सरकार ने अलौकिक बजट पुनः जारी किया। इसकी अलौकिकता न्यारी है। आम आदमी की समझ पर यह भारी है। लौकिक ज्ञान से परे अलौकिक ज्ञान जरूरी है। अतः, इसे अच्छा या खराब मान लेना ही बुद्धिमत्ता है। साधारण–सी बात है। जो विपक्ष में है, वे इसे बेकार बजट बता रहे। जो पक्ष है, वे इसे साकार बजट बता रहे। इस पक्ष, विपक्ष में आम आदमी चक्कर खा रहा। उसे समझ ही नहीं आ रहा कि क्या समझे।

वह पक्ष की सुने या विपक्ष की। पक्ष की बात के साथ रहे या विपक्ष की। अब देखिए, दीदी ने समझाया। यह दलित, महिला, ओबीसी, किसान, युवा विरोधी बजट है। तब खेलावन काका पूछ रहे। अरे, तब यह बजट सरकार ने अपने लिए लेकर आई है क्या? तब इसको लेकर मुनि नारद ने ज्ञान दिया। देखो वत्स, यह अलौकिक है। फिर भी इसमें सार तत्व को समझ कर इसकी विशालता और व्यापकता को समझा जा सकता है। जैसे इस उदाहरण से समझो। बजट में बच्चों को स्कूल में अब डिजिटल क्रिएटर का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसमें अब बच्चे अपने स्कूल में मोबाइल से रील बनाना सीखेंगे। फिर देश तेजी से आगे बढ़ेगा। उतनी ही तेजी से जितनी तेजी से देश में बुलेट रेल चल रही। और उतनी ही तेजी से जितनी तेजी से देश में स्मार्ट शहर बन रहे। समझे कि नहीं।

बात जब ऐसी चल रही थी तो काका कहां चुप रहने वाले। बोले, मुनिनाथ। हम लोग तो बच्चों को रील बनाने से रोकते हैं। इसे अच्छा नहीं मानते। यही तो लौकिक बातें हैं। पर समझो। तुम लोग बच्चों को क्यों पढ़ाते हो...? इसीलिए कि वह पढ़ लिख कर कमाई करे! अब इस बार चुनाव में सरकार ने प्रति वर्ष 2 करोड़ को नौकरी और रोजगार देने का वादा किया। यह वादा इसी से पूरा होगा। अभी सर्वाधिक कमाई का साधन मोबाइल है। रील बना कर लोग प्रति महीना लाखों कमा रहे हैं। इसमें कौशल की जरूरत है। हालांकि, महिलाओं के लिए कोई कौशल आवश्यक नहीं है। पर पुरुष जबतक कौशल प्राप्त नहीं करेंगे तब तक इस क्षेत्र में कमाई मुश्किल है। इसी उद्देश्य से बच्चों में डिजिटल क्रिएटर का प्रशिक्षण आवश्यक है।

संघर्षों से निखरी एक बुलंद आवाज का खामोश होना

अगले ही पल अर्जुन की मुद्रा में दिखाई देतीं। फिर द्रौपदी की पीड़ा उनके चेहरे पर उतर आती और कुछ ही क्षणों बाद श्री□ष्ण की मुस्कान और नीति उनके स्वर में गूंज उठती। उनका तंबूरा कभी गदा बन जाता, कभी धनुष और कभी यु) का प्रतीक। दर्शक भूल जाते कि वे किसी कलाकार को देख रहे हैंय उन्हें लगता कि स्वयं महाभारत उनके सामने घटित हो रहा है।धीरे–धीरे देश की सांस्कृतिक संस्थाओं ने उन्हें अपनाया...

तीजन बाई का कार्यक्रम केवल गायन नहीं होता था वह एक जीवंत अनुभव होता था। वे जैसे ही तंबूरा हाथ में लेकर मंच पर आतीं, वातावरण बदल जाता। कुछ ही क्षणों में वे स्वयं भीम बन जातीं। अगले ही पल अर्जुन की मुद्रा में दिखाई देतीं। फिर द्रौपदी की पीड़ा उनके चेहरे पर उतर आती। पंडवानी को लोकनृत्य एवं लोकशैली में अमर कर देने वाली महान गायिका तीजन बाई अब हमारे बीच नहीं रही हैं। तीजन बाई ने अपने अदम्य संघर्ष से अपनी पहचान बनाई। कुछ आवाजें पीढ़ियों की स्मृतियों में घर कर जाती हैं। वे कालांतर में लोकजीवन की चेतना का हिस्सा बन जाती हैं। ऐसा लगता है जैसे छत्तीसगढ़ की धरती पर सदियों से गूंजती महाभारत की कथा आज अचानक ठहर–सी गई हो। लेकिन तीजन अब अपनी आवाज, अपने अभिनय और अपने संघर्ष की प्रेरक गाथा में सदैव जीवित रहेंगी। लोक–संस्कृति का इतिहास जब भी लिखा जाएगा, तीजन बाई का नाम केवल एक लोकगायिका के रूप में नहीं, बल्कि उस स्त्री के रूप में दर्ज होगा, जिसने सामाजिक रूढ़ियों को चुनौती देकर यह सिद्ध कर दिया कि प्रतिभा का कोई लिंग नहीं होता और साधना का कोई विकल्प नहीं होता।

तीजन बाई ने महाभारत के प्रसंगों में भारतीय सत्यता की संस्कृति को जिया। मंच पर उनके संवादों में जो चमक थी वह सचमुच सीधे हृदय में पहुंचती थी। उनकी इस अदायगी को मंच से दूरदर्शन के लिए रिकॉर्ड करते हुए लगता था कि यह एक अद्भुत पल है। जिस बिंदास अंदाज में वह पंडवानी को गाती थीं वह उनके लिए ही संभव है। वह एक बिंदास और जीवट वाली महिला थी, जिसने अपने संघर्ष की शर्तों पर जीवन को जिया। वह कहती थी जियो तो अपने से जियो, गांव के गंवारपन में खुले मन से जियो और यही जीने का एक तरीका है।

पारिवारिक परंपरा में तीजन ने 13 साल की उम्र में पहला सार्वजनिक मंच प्रदर्शन किया था। भिलाई के समीप गनियारी गांव में जन्मी तीजन बाई के पिता हुनुकलाल परधा और माता सुखवती थीं। बचपन में वे अपने नाना ब्रजलाल से महाभारत की कथाएं सुनती थीं। यही संस्कार आगे चलकर उनके जीवन का आधार बने। उनकी प्रतिभा को पहचानते हुए उमेद सिंह देशमुख ने उन्हें मार्गदर्शन दिया।

तीजन का बचपन अभावों में बीता। बचपन का अधिकांश समय श्रम, संघर्ष और परिवार की जिम्मेदारियों के बीच बीता। किंतु इन्हीं कठिन परिस्थितियों में उनके भीतर लोककला का बीज अंकुरित हुआ। उनके नाना महाभारत और पंडवानी की कथाएं गाया करते थे। छोटी–सी तीजन मंत्रमुग्ध होकर उन्हें सुनतीं। वे हर पात्र को अपने भीतर जीने लगती थीं। शायद उसी समय नियति ने तय कर लिया था कि वह एक दिन स्वयं महाभारत की जीवित आवाज बनेंगी।

उस दौर में पंडवानी की 'कापालिक शैली', जिसमें कलाकार खड़े होकर अभिनय के साथ कथा प्रस्तुत करता है, लगभग पूरी तरह पुरुषों का क्षेत्र मानी जाती थी। महिलाओं को सीमित भूमिका दी जाती थी। लेकिन तीजन बाई ने परंपरा की इस दीवार को तोड़ दिया।

उस समय तीजन बाई के लिए यह साहस आसान नहीं था। उन्हें समाज की आलोचना झेलनी पड़ी। रूढ़िवादी सोच ने उनका विरोध किया। लेकिन जिन लोगों के भीतर कला की साधना होती है, वे अपमान को भी अपनी शक्ति बना लेते हैं।

तीजन की यात्रा किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं थी। छोटे–छोटे गांवों की चौपालों से लेकर मेलों तक, फिर जिला स्तरीय आयोजनों से राष्ट्रीय मंचों तक और वहां से दुनिया के बड़े–बड़े सांस्कृतिक समारोहों तककृहर पड़ाव उन्होंने अपनी मेहनत से अर्जित किया। उनके पास न कोई बड़ा गुरु–तंत्र था, न संसाधन, न प्रचार। उनके पास केवल एक सशक्त आवाज, अद्भुत स्मरणशक्ति, मंच पर अभिनय की विलक्षण क्षमता और अपनी लोकपरंपरा के प्रति अटूट आस्था थी।

तीजन बाई का कार्यक्रम केवल गायन नहीं होता था वह एक जीवंत अनुभव होता था। वे जैसे ही तंबूरा हाथ में लेकर मंच पर आतीं, वातावरण बदल जाता। कुछ ही क्षणों में वे स्वयं भीम बन जातीं। अगले ही पल अर्जुन की मुद्रा में दिखाई देतीं। फिर द्रौपदी की पीड़ा उनके चेहरे पर उतर आती और कुछ ही क्षणों बाद श्रीकृष्ण की मुस्कान और नीति उनके स्वर में गूंज उठती। उनका तंबूरा कभी गदा बन जाता, कभी धनुष और कभी युद्ध का प्रतीक। दर्शक भूल जाते कि वे किसी कलाकार को देख रहे हैंय उन्हें लगता कि स्वयं महाभारत उनके सामने घटित हो रहा है।धीरे–धीरे देश की सांस्कृतिक संस्थाओं ने उन्हें अपनाया और फिर अंतर्राष्ट्रीय मंचों के द्वार खुलते चले गए। उनकी साधना को देश ने सर्वोच्च सम्मान दिए। पद्मश्री, पद्मभूषण और पद्म विभूषण से सम्मानित होना किसी भी कलाकार के लिए गौरव की बात है। लेकिन इन सम्मानों से कहीं अधिक बड़ा सम्मान उन्हें जनता ने दिया। आज वे हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनकी आवाज अब भी हवा में तैर रही है।

देशसेवा में बलिदान की प्रेरक मिसाल डॉ. मुखर्जी

डॉ. मुखर्जी मानवीय संवेदनाओं और सेवाभाव के लिए भी जाने जाते हैं। वर्ष 1943 में जब बंगाल भीषण अकाल की त्रासदी से जूझ रहा था, तब उन्होंने पीड़ितों की सेवा में स्वयं को पूरी तरह समर्पित कर दिया। सुनिश्चित किया कि लोगों को भोजन मिल सके। कई कैंटीन और रिलीफ सेंटर शुरू किए। एक ओर वे लोगों की पीड़ा से व्यथित थे, दूसरी ओर ब्रिटिश हुकूमत की असंवेदनशीलता से आक्रोशित थे...

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने शिक्षाविद, उद्योगमंत्री व जनसंघ के संस्थापक के रूप में देशहित को प्राथमिकता दी। उनमें राष्ट्रवाद व जनसेवा का संगम था। उनका उद्देश्य देश की एकता–अखंडता की रक्षा रहा। ताउम्र राष्ट्रहित में संघर्ष किया व बलिदान की प्रेरक मिसाल कायम की। आज उनकी 125वीं जयंती के मौके पर सच्ची श्रद्धांजलि होगी कि हम उनकी सोच के मुताबिक देश में एकजुटता के लिए प्रयास करें। आज का दिन राष्ट्रवाद और निस्वार्थ सेवा के आदर्शों में विश्वास रखने वाले करोड़ों देशवासियों के लिए बहुत ही विशेष है। आज हम डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जन्म–जयंती मना रहे हैं। उनका जीवन साहस और मां भारती के प्रति अटूट समर्पण का प्रेरक उदाहरण है। डॉ. मुखर्जी के व्यक्तित्व में विद्वत्ता, जनसेवा व उच्च नैतिक मूल्यों का अद्भुत संगम था। आधुनिक भारत के कुछ ही नेताओं में इतने गुण एक साथ मिलते हैं। श्यामा प्रसाद जी का जन्म ऐसे परिवार में हुआ था, जहां उन्हें सुख–सुविधा संपन्न जीवन आसानी से मिल सकता था। उनके पिता सर आशुतोष मुखर्जी की गिनती अपने समय के महान शिक्षाविदों में होती थी। लेकिन सुविधाओं के बावजूद श्यामा प्रसाद जी ने त्याग और राष्ट्रसेवा का मार्ग चुना। उनका दृढ़ विश्वास था कि चाहे अंग्रेजी शासन का विरोध हो, सांप्रदायिकता से लड़ाई हो या मानवीय संकटों का सामना, वे इन चुनौतियों के सामने मूकदर्शक बनकर नहीं रह सकते। इस सफर में उन्हें कई गहरे दुख झेलने पड़े। पहले उन्होंने अपने छोटे बच्चे को खोया और बाद में पत्नी का भी निधन हो गया। लेकिन दुखद परिस्थितियों में भी अपना हौसला कमजोर नहीं पड़ने दिया। उनका संकल्प और सशक्त हुआ, राष्ट्रसेवा के प्रति समर्पण और गहरा होता गया। डॉ. मुखर्जी के जीवन का सबसे बड़ा उद्देश्य भारत की एकता–अखंडता की रक्षा करना था। देश विभाजन के समय उन्होंने पश्चिम बंगाल को भारत का अभिन्न अंग बनाए रखने में अहम भूमिका निभाई। कुछ वर्ष बाद इसी उद्देश्य से उन्होंने जम्मू–कश्मीर के मुद्दे पर संघर्ष किया। जेल व नजरबंदी भी उन्हें रास्ते से डिगा नहीं सकी। जब नजरबंदी के दौरान उनका निधन हुआ, तब वे उन अनगिनत लोगों से बहुत दूर थे, जिनके लिए वे जीवनभर संघर्ष करते रहे। इतिहास में कुछ ऐसे पल आते हैं, जब किसी व्यक्ति का सर्वोच्च बलिदान राजनीति से ऊपर उठकर देश की स्मृति का हिस्सा बन जाता है। डॉ. मुखर्जी का बलिदान ऐसा ही था। आचार्य विनोबा भावे ने कहा था कि डॉ. मुखर्जी ने उस उद्देश्य के लिए बलिदान दिया, जिस पर उन्हें पूरा विश्वास था। दशकों बाद, वर्ष 2019 में आर्टिकल 370 और 35(।) को हटाया जाना उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि थी। डॉ. मुखर्जी ने हमेशा राष्ट्रहित और भारतीय मूल्यों को प्राथमिकता दी। इसके लिए मजबूत संस्थानों का निर्माण किया और ऐसी व्यवस्थाएं बनाईं, जो तत्कालीन सोच से काफी आगे थीं। वे कलकत्ता विश्वविद्यालय के सबसे युवा कुलपति बने व शिक्षा व्यवस्था में बदलाव किए, जो राष्ट्रहित और भविष्य की जरूरतों के अनुरूप थे। शिक्षाविदों के एक सम्मेलन में डॉ. मुखर्जी ने कहा था, 'शिक्षण संस्थानों को केवल बाबू या कम वेतन वाले कर्मचारी तैयार करने की फैक्ट्री समझना गलत है। विद्यार्थियों को ऐसे तैयार करना होगा कि वे नेतृत्व की भूमिका निभा सकें। स्वशासी संस्थाओं–म्युनिसिपल कॉर्पोरेशंस, प्रांतीय और केंद्रीय विधायिकाओं –में बड़ी जिम्मेदारी निभाने को तैयार हों। साथ ही वित्त, व्यापार और उद्योग क्षेत्रों में प्रतिभा दिखा सकें।' कलकत्ता विश्वविद्यालय में अपने नेतृत्व में उन्होंने कई महत्वपूर्ण कार्य किए। इनमें लाइब्रेरी सुविधाओं में सुधार, विज्ञान रिसर्च को बढ़ावा, ऐतिहासिक वस्तुओं के अध्ययन को प्रोत्साहन और कृषि से जुड़े पाठ्यक्रम शुरू करना शामिल था। खेलकूद, टीचर्स ट्रेनिंग और स्टूडेंट वेलफेयर जैसे क्षेत्रों पर खास ध्यान दिया। विद्यार्थियों में अपनी यूनिवर्सिटी के प्रति गर्व का भाव विकसित हो, इसके लिए उन्होंने 24 जनवरी को विश्वविद्यालय का स्थापना दिवस मनाने की परंपरा शुरू की। गुरुदेव टैगोर से विश्वविद्यालय के लिए गीत लिखने का अनुरोध भी किया था। उनके जीवन के बाद के वर्षों में इस भावना का एक और उदाहरण है, जब उन्होंने भारतीय जनसंघ बनाने का निर्णय लिया। तब देश में कांग्रेस पार्टी का बोलबाला था। उन्होंने महसूस किया कि देश को ऐसे नए विकल्प की जरूरत है, जो भारत की प्रगति की बात भी करे और सांस्कृतिक जड़ों से भी जुड़ा रहे। शायद इसी के मद्देनजर पार्टी का चुनाव चिह्न 'दीपक' यानी मिट्टी का दीया रखा। अकेला दीया भले ही छोटा लगे, लेकिन उसमें अपने आसपास का गहरा अंधकार मिटाने की अद्भुत शक्ति होती है। डॉ. मुखर्जी का देश के पहले उद्योग एवं आपूर्ति मंत्री के रूप में कार्यकाल बेहद अहम रहा। उन्हें ऐसे राजनेता के रूप में याद किया जाता है, जिनका विजन विराट था। वे उद्योग को नवस्वतंत्र भारत के लोगों में सम्मान, अवसर और आत्मविश्वास का संचार करने का माध्यम मानते थे। वेल्थ व वैल्यू क्रिएशन का महत्व समझते थे। उन्होंने दामोदर वैली कॉर्पोरेशन, सिंदरी उर्वरक संयंत्र व मजबूत औद्योगिक नीति जैसी ऐतिहासिक पहल की। इसके जरिये आधुनिक औद्योगिक भारत की नींव रखी। वहीं सुनिश्चित किया कि भारत के पारंपरिक सामर्थ्य की उपेक्षा न हो। वे हथकरघा, कुटीर उद्योग, कारीगरों, कपड़ा उद्योग के श्रमिकों के हित के प्रबल समर्थक थे। यहां मैं एक निजी अनुभव भी साझा करना चाहता हूं। आत्मनिर्भर भारत के विजन के साथ जिस सिंदरी संयंत्र की स्थापना के लिए डॉ. मुखर्जी ने अथक प्रयास किए थे, उसकी दशकों सत्ता में रहने वाले लोगों ने उपेक्षा की। मुझे इस बात का संतोष कि हमारी सरकार को उसके पुनरुद्धार का सौभाग्य मिला। उस कार्यक्रम में उपस्थित होना मेरे सार्वजनिक जीवन के सबसे विशेष व अविस्मरणीय क्षणों में से एक बन गया।

फीफा विश्व कप मेरा आखिरी है: क्रिस्टियानो रोनाल्डो का बड़ा ऐलान, बोले– अब हर पल जीना चाहता हूं

पुर्तगाल के दिग्गज फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने एक बार फिरस्पष्ट किया कि यह उनके करियर का छठा और अंतिम फीफा विश्व कप होगा। वह फीफा विश्व कप के दौरान आयोजित संवाददाता सम्मेलन में अपनी चिर–परिचित चुटीली शैली में पत्रकारों से रूबरू हुए लेकिन इस बातचीत के अंत में उनकी अर्जेंटीना के एक पत्रकार के साथ हल्की नोकझोंक भी देखने को मिली। स्पेन के खिलाफ प्री–क्वार्टर फाइनल मुकाबले की पूर्व संध्या पर इस 41 साल के खिलाड़ी ने एक बार फिर उस बात को दोहराया, जिसका संकेत वह पहले भी दे चुके हैं। उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा, ' मेरे साथ सबसे बड़ी पूंजी लोगों का प्यार और उनसे जुड़ी यादें हैं।

होटल में टीम स्टाफ और लैटिन अमेरिकी लोगों के साथ बिताए पल मेरी सबसे खूबसूरत स्मृतियों में शामिल हैं। कल उड़ान के दौरान अर्जेंटीना की एक एयर होस्टेस मिली। मैंने उसके मुझे देखने के अंदाज से ही पहचान लिया कि वह अर्जेंटीना की है। मैंने उससे कहा, 'तुम जिस तरह मुझे देख रही हो, उससे समझ गया कि तुम अर्जेंटीना से हो। अगर कोई मुझे देखकर तुरंत नजरें फेर ले, तो मैं समझ जाता हूं कि उसे क्रिस्टियानो पसंद नहीं है'।'' मैनचेस्टर यूनाइटेड और रियाल मैड्रिड स्टार के इस पूर्व स्टार ने कहा, ''मैं अपने आखिरी विश्व कप के हर पल का भरपूर आनंद लेना चाहता हूं। उम्मीद है कि कल मेरा अंतिम मैच नहीं होगा, ताकि आप लोग मेरी आलोचना कुछ और दिन तक करते रहें।'' अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में 146 गोल के साथ सर्वाधिक गोल करने वाले रोनाल्डो इससे पहले भी ऐसा संकेत दे चुके हैं। पिछले वर्ष एक टेलीविजन साक्षात्कार में भी उन्होंने अपने अंतिम विश्व कप को लेकर इसी तरह की बात कही थी।

उस समय पुर्तगाल ने स्पेन को रोमांचक पेनल्टी शूटआउट में हराकर यूईएफए नेशंस लीग का खिताब जीता था। इस 25 मिनट की प्रेस कॉन्फ्रेंस में 41 वर्षीय रोनाल्डो से पूछे गए अधि ाकांश सवाल उनके संभावित विश्व कप विदाई से जुड़े रहे। उन्होंने संन्यास से जुड़े अधिक सवालों पर मजाकिया अंदाज में पत्रकारों से कहा, ''लग रहा कि आप लोग अब मुझे मैदान से विदा करने की पूरी तैयारी में हैं।'' उन्होंने इसके बाद गंभीर होते हुए कहा, '' मेरे जीवन में किसी चीज की कमी नहीं है। भगवान मेरे प्रति बेहद उदार रहे हैं। उन्होंने मुझे वह सब कुछ दिया, जिसकी मैंने कभी कल्पना भी नहीं की थी, खासकर राष्ट्रीय टीम के साथ। व्यक्तिगत जीवन में भी मुझे सब कुछ मिला। इसलिए अब मैं हर पल का आनंद लेना चाहता हूं। विश्व कप जीतने या न जीतने से मैं न बड़ा क्रिस्टियानो बन जाऊंगा और न छोटा। निश्चित रूप से हम सभी विश्व कप जीतने का सपना देखते हैं और इसके लिए हर संभव प्रयास करना चाहते हैं।

लेकिन यह भी सच है कि अंत में ट्रॉफी केवल एक ही टीम के हिस्से में आती है।'' फुटबॉल के सबसे बड़े मंच पर रोनाल्डो का यह विदाई अभियान 2018 विश्व कप की यादें भी ताजा कर रहा है, जब उन्होंने 33 वर्ष की उम्र में स्पेन के खिलाफ हैट्रिक लगाकर इतिहास रचा था। वह मुकाबला 3–3 से ड्रॉ रहा था और विश्व कप के सर्वश्रेष्ठ मैचों में गिना जाता है। स्पेन के मुख्य कोच लुइस डे ला फुएंते ने रोनाल्डो को लेकर सतर्कता बरतने की बात कही। उन्होंने कहा, ''मैदान के हर हिस्से में यह ध्यान रखना होगा कि रोनाल्डो कहां हैं। उनके पास प्रतिभा, अनुभव और गुणवत्ता है। वह किसी भी क्षण मैच का रुख बदल सकते हैं।''

पुर्तगाल लगातार दूसरी बार विश्व कप के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने की कोशिश करेगा। रोनाल्डो युग में इससे पहले टीम केवल 2006 में सेमीफाइनल तक पहुंची थी, जो उनका पहला विश्व कप था। अंतिम 32 चरण के मैच में क्रोएशिया पर 2–1 की जीत में रोनाल्डो ने बराबरी का गोल दागा। मौजूदा टूर्नामेंट में वह अब तक तीन गोल कर चुके हैं और विश्व कप में उनके कुल गोलों की संख्या 11 हो गई है। रोनाल्डो ने कहा, ''उम्र के साथ आने वाले बदलावों के अनुरूप मैंने अपने खेल को ढाल लिया है। मैं जानता हूं कि अब पहले जैसा खिलाड़ी नहीं हूं। जो चीज नहीं बदली वह मेरी गोल करने की क्षमता है। उम्मीद है कि कल भी गोल करूंगा। अगर मैं नहीं कर पाया, तो उम्मीद है कि टीम का कोई और खिलाड़ी करेगा।''

रोनाल्डो अगर 2018 जैसी हैट्रिक नहीं दोहराते तो उनके लिए गोल्डन बूट की दौड़ में लियोनेल मेस्सी और किलियन एम्बाप्पे की बराबरी करना मुश्किल होगा।दोनों खिलाड़ियों के नाम सात–सात गोल दर्ज हैं, जबकि विश्व कप करियर गोलों की सूची में भी दोनों रोनाल्डो से आगे निकल चुके हैं।

रोनाल्डो ने इस तुलना को सहजता से लिया। उन्होंने कहा, ''आपकी अलग–अलग राय हो सकती है, लेकिन मैं इतना भी बुरा नहीं कर रहा हूं। मैंने भी तीन गोल किए हैं। कुछ खिलाड़ियों ने ज्यादा गोल किए हैं क्योंकि वे शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं, लेकिन मेरा प्रदर्शन भी खराब नहीं है। अब मुझे आगे बढ़ते रहना है।

नॉर्वे से हार के बाद टूटे कप्तान मार्किनहोसे, बोले– ब्राजील के लोगों से माफी मांगते हैं

विनीसियस जूनियर के पास पेनल्टी स्पॉट पर गेंद थी और यह ब्राजील को बढ़त दिलाने का यह एक शानदार मौका था। लेकिन उन्होंने इसे ब्रूनो गुइमारेस को सौंप दिया। और जब तक नेमार ने ब्राजील के लिए दूसरी पेनल्टी किक ली और उसे गोल में बदल दिया, तब तक पांच बार के चौंपियन के लिए बहुत देर हो चुकी थी। गुइमारेस के पेनल्टी शॉट को 14वें मिनट में ओरजान नाइलैंड ने रोक दिया और ब्राजील स्टॉपेज टाइम के अंत तक नॉर्वे के गोलकीपर को भेद नहीं सका। इससे ब्राजील रविवार को राउंड ऑफ 16 में नॉर्वे से 2–1 से हार गया। यह 1990 के बाद पहला अवसर है जबकि उसकी टीम क्वार्टर फाइनल में नहीं पहुंच पाई। ब्राजील के कप्तान मार्किनहोस ने कहा,''हमें ब्राजील के लोगों से, इस स्टेडियम में आकर मैच देखने वाले सभी लोगों से माफी मांगनी होगी। मुझे लगता है कि हमें अपनी गलतियों से सीखना होगा।'' ब्राजील के लोगों को चार साल तक इस बात पर पछतावा होता

रहेगा कि उन्होंने फुटबॉल के शीर्ष स्कोररों में से किसी एक को पेनल्टी शॉट लेने का मौका क्यों नहीं दिया। ब्राजील को यह पेनल्टी तब मिली जब मैथियस कुन्हा को बॉक्स के अंदर स्लाइडिंग टैकल से गिरा दिया गया था। ब्राजील के खिलाड़ियों के विरोध के बावजूद, शुरू में कोई फाउल नहीं दिया गया, लेकिन वीडियो समीक्षा के बाद पेनल्टी दी गई। ब्राजील की तरफ से मौजूदा टूर्नामेंट में सर्वाधि ाक चार गोल करने वाले विनीसियस के हाथों में गेंद थी और ऐसा लग रहा था कि वही किक मारेंगे। इसके बजाय, गुइमारेस पेनल्टी स्पॉट तक गए और विनीसियस ने उन्हें गेंद सौंपी। शहरऔर स्थानीय मार्गदर्शिका गुइमारेस पेनल्टी को गोल में नहीं बदल पाए और इस तरह से ब्राजील में बढ़त हासिल करने का सुनहरा मौका गंवा दिया। यह ऐसा फैसला है जिसकी आगे लंबे समय तक आलोचना होती रहेगी। यह एक ऐसा फैसला है जिसकी ब्राजील के लोगों के मन में लंबे समय तक टीस बनी रहेगी। कोच कार्लो एंसेलोटी ने बताया कि ब्राजील ने एक साल के अपने सर्वश्रेष्ठ पेनल्टी लेने वाले खिलाड़ियों के आंकड़े संकलित किए थे तथा सर्वश्रेष्ठ विकल्प नेमार और फॉरवर्ड राफिन्हा थे। इनके बाद गुइमारेस का नंबर था। लेकिन चोटों से जूझ रहे और ब्राजील के पहले दो मैचों में भी नहीं खेलने वाले नेमार को तब तक मैदान पर नहीं उतारा गया था। राफिन्हा पिछले महीने मांसपेशियों में खिंचाव के कारण बाहर हो गए थे। एंसेलोटी ने कहा, ''इसलिए, हमने ब्रूनो गुइमारेस को चुना क्योंकि हमें लगा कि उस समय मैदान पर वही सबसे अच्छा खिलाड़ी था।'' पेनल्टी शूटआउट को छोड़कर, विश्व कप में 1986 के बाद यह पहला अवसर था जबकि ब्राजील पेनल्टी पर गोल नहीं कर पाया।

टी 20 विश्व कप पर ऑस्ट्रेलिया का एकछत्र राज, दक्षिण अफ्रीका को हराकर 7वीं बार बनीं World Champion

महिला टी 20 विश्व कप 2023 के फाइनल मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने एक ऐतिहासिक जीत दर्ज की है। टीम ने फाइनल में अब तक का सबसे बड़ा लक्ष्य, 151 रनों का पीछा करते हुए 17.1 ओवर में 153६ 3 रन बनाकर सातवीं बार इस प्रतिष्ठित खिताब पर कब्जा जमाया। इस जीत के साथ ही ऑस्ट्रेलिया ने अपने प्रभुत्व को एक बार फिर साबित कर दिया है। क्रिकेट

फाइनल में रिकॉर्ड लक्ष्य का पीछा

फाइनल मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए दक्षिण अफ्रीका ने निर्धारित 20 ओवरों में 137६6 का स्कोर बनाया था। हालांकि, ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों ने इस स्कोर को पार करने के लिए एक मजबूत शुरुआत की। बेथ मूनी और एलिसा हीली ने पारी की शुरुआत की और टीम को एक ठोस आधार प्रदान किया। मूनी ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 74 रनों की नाबाद पारी खेली, जबकि हीली ने 18 रन बनाए।

ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों का शानदार प्रदर्शन

लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलियाई टीम ने शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया। बेथ मूनी ने एक छोर संभाले रखा और अपनी टीम को जीत दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने 53 गेंदों में 74 रनों की नाबाद पारी खेली, जिसमें 9 चौके शामिल थे। कप्तान मेग लैनिंग ने 28 गेंदों में 36 रन बनाए, जबकि एशले गार्डनर ने 29 रन की बहुमूल्य पारी खेली। इन बल्लेबाजों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने आसानी से लक्ष्य हासिल कर लिया।

दक्षिण अफ्रीका की निराशाजनक हार

दूसरी ओर, दक्षिण अफ्रीकी टीम फाइनल में अपनी छाप छोड़ने में नाकाम रही। टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया था, लेकिन वे ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों के सामने बड़ा स्कोर बनाने में संघर्ष करते दिखे। लॉरा वोल्वार्ड्ट ने 48 गेंदों में 61 रन की शानदार पारी खेली, लेकिन उन्हें अन्य बल्लेबाजों से पर्याप्त समर्थन नहीं मिला।

टी20 विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया का स्वर्णिम इतिहास

ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट टीम ज्20 विश्व कप के इतिहास में सबसे सफल टीम रही है। यह उनका सातवां खिताब है, जो अपने आप में एक रिकॉर्ड है। टीम ने 2010, 2012, 2014, 2016, 2018, 2020 और अब 2023 में यह खिताब जीता है। यह जीत ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट के मजबूत ढांचे और युवा प्रतिभाओं को विकसित करने की उनकी क्षमता का प्रमाण है।

भविष्य की ओरः एक नई शुरुआतः यह जीत ऑस्ट्रेलियाई टीम के लिए एक बड़ी उपलब्धि ा है और यह उन्हें भविष्य की प्रतियोगिताओं के लिए प्रेरित करेगी। वहीं, दक्षिण अफ्रीका के लिए यह एक सीखने का अनुभव होगा, और वे निश्चित रूप से भविष्य में और मजबूत वापसी करेंगे।

कार्यालय नगर पंचायत कपिलवस्तु जनपद- सिद्धार्थनगर

अति अल्पकालीन ई–प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि निदेशक महोदय के पत्रांक संख्या–1281/शि०का०लख०/बजट/02 प्रतिशत–42/2025–26 दिनांक 25 मार्च 2026 द्वारा 02 प्रतिशत स्टाम्प शुल्क के अन्तर्गत प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति की धनराशि से नगर पंचायत कपिलवस्तु जनपद सिद्धार्थनगर में निर्माण कार्य कराये जाने हेतु ई–निविदा प्रतिशत दर पर आमंत्रित की जाती है। निर्माण कार्य से संबंधित निविदा दिनांक 06. 07.2026 से दिनांक 18.07.2026 तक आनलाईन वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर अपरान्ह 11:00 बजे तक डाउनलोड कर अपलोड की जा सकती है। ई–निविदा व अन्य के संबंध में निविदादाता कार्यालय समय में किसी भी कार्यदिवस में विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकतें हैं। उक्त निविदा दिनांक 18.07.2026 को पूर्वान्ह 11:00 बजे के बाद खोली जायेगी, जिसे संबंधित वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर देखा जा सकता हैं। जिसका विवरण निम्नवत है–

A	ई–प्रोक्योरमेन्ट के माध्यम से निविदा प्रकाशन की तिथि/समय	06.07.2026 अपरान्ह 04:00 बजे
B	वेबसाइट पर ऑनलाइन निविदा डाउनलोड की तिथि/समय	06.07.2026 अपरान्ह 04:00 बजे से
C	वेबसाइट पर ऑनलाइन निविदा/बिड अपलोड की तिथि/समय	06.07.2026 सायं 05:00 बजे से
D	ई–प्रोक्योरमेन्ट के माध्यम से निविदा/बिड अपलोड की अन्तिम तिथि/समय	18.07.2026 पूर्वान्ह 11:00 बजे तक
E	ई–प्रोक्योरमेन्ट के माध्यम से निविदा खोलने की तिथि/समय	18.07.2026 पूर्वान्ह 11:00 बजे के बाद

अधिशासी अधिकारी
नगर पंचायत- कपिलवस्तु
जनपद-सिद्धार्थनगर

अध्यक्ष
नगर पंचायत- कपिलवस्तु
जनपद-सिद्धार्थनगर

पत्रांक :– 786/न०पं०कपि०सि०नगर/2026–27 | दिनांक–03.07.2026

भारत को मिलेगा यूरेनियम का बंपर खजाना, होने वाली है बड़ी डील!

दक्षिण प्रशांत महासागर की नीली लहरों के बीच एक बहुत बड़ा खेल शुरू हो चुका है। एक ऐसा खेल जिसके बिसात कैनबरा में बिछाई गई है जिसकी गूंज बीजिंग तक सुनाई देगी और जिसका फायदा भारत की राजधानी नई दिल्ली को होगा। खबर बड़ी है और इसके दो मुख्य पहलू हैं। पहला ऑस्ट्रेलिया और फिजी के बीच एक ऐतिहासिक सुरक्षा समझौता हुआ है जिसे वह वाले यूनियन कहा जा रहा है और दूसरा जिसका भारत को दशकों से इंतजार था। ऑस्ट्रेलिया से भारत को यूरेनियम की सप्लाई का रास्ता साफ होना है। इस हफ्ते होने वाली हाई लेवल मीटिंग्स ना केवल ऑस्ट्रेलिया की रक्षा नीति को बदल देंगी बल्कि भारत की ऊर्जा सुरक्षा की तस्वीर भी बदल जाएगी।

द ऑस्ट्रेलियन की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीस सोमवार को फिजी पहुंच रहे हैं। वहां वह अपने फिजाई समकक्ष के साथ ब्आले यूनियन पर हस्ताक्षर करेंगे। ब्वाले फिजीआई भाषा का शब्द है जिसका अर्थ होता है परिवार। लेकिन राजनीति में इस परिवार का मतलब बहुत गहरा है। यह समझौता ऑस्ट्रेलिया के उस अभियान का हिस्सा है जिसके तहत वह पापुआ न्यूगिनी, तवालू, नोरू और इंडोनेशिया जैसे देशों के साथ अपनी सुरक्षा साझेदारी को पत्थर की लकीर बना रहा है। याद कीजिए साल 2022 जब चीन ने सोलमन आइलैंड्स के साथ एक गुप्त सुरक्षा समझौता करके पूरी दुनिया को चौंका दिया था। तब से ही ऑस्ट्रेलिया और अमेरिका के कान खड़े हो गए हैं। उन्हें डर था कि चीन इन छोटे द्वीप देशों में अपने सैन्य अड्डे बना सकता है। फीजी के साथ होने वाला यह नया समझौता ऑस्ट्रेलिया को फजी की सुरक्षा और पुलिसिंग में एक बड़ी भूमिका देगा। यह ठीक वैसा ही होगा जैसा ऑस्ट्रेलिया ने पापुआ न्यूगिनी के साथ किया है। यानी अगर फिजी की सुरक्षा पर कोई खतरा आता है तो ऑस्ट्रेलिया वहां सैन्य और तकनीकी मदद भेजने वाला पहला देश होगा। यह सीधे तौर पर चीन के पेसिफिक विस्तार पर एक ब्रेक लगाने की तरह होगा। अब बात करते हैं हम उस डील की जो भारत के लिए गेम चेंजर है।

मेलबर्न में प्रधानमंत्री मोदी और पीएम एल्बनीज की मुलाकात होने वाली है। रिपोर्ट्स की मानें तो दोनों देश यूरेनियम निर्यात समझौते को अंतिम रूप दे सकते हैं।

यूरेनियम डील आखिर क्या है?

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच यूरेनियम की कहानी उतार–चढ़ाव से भरी रही है। ऑस्ट्रेलिया के पास लगभग दुनिया का 30: यूरेनियम भंडार है। लंबे समय तक ऑस्ट्रेलिया ने भारत को यूरेनियम देने से मना कर दिया था। क्योंकि भारत ने परमाणु व प्रसार संधि एनपीटी पर हस्ताक्षर नहीं किए थे। लेकिन साल 2008 में जब भारत को परमाणु व्यापार के लिए विशेष छूट मिली तब रास्ते खुले।

2014 में तात्कालीन पीएम टोनी अवार्ड ने भारत के साथ समझौते पर हस्ताक्षर किए। लेकिन तकनीकी पेच हमेशा फंसे रहे। सबसे बड़ी समस्या थी सेफगार्ड्स यानी सुरक्षा मानक। ऑस्ट्रेलिया चाहता था कि उसका यूरेनियम केवल नागरिक परमाणु ऊर्जा के लिए इस्तेमाल हो ना कि हथियारों के लिए। द ऑस्ट्रेलियन की रिपोर्ट कहती है कि दोनों देशों ने अब इस तकनीकी मुद्दे को सुलझा लिया है। इसका मतलब यह है कि अब कागजी कारवाई खत्म हो चुकी है और जल्द ही भारत ऑस्ट्रेलिया के बीच यूरेनियम सप्लाई शुरू होने वाली है।

भारत के लिए डील इतनी इंपॉर्टेंट क्यों है?

भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की राह पर है और इसके लिए भारत को बेतहाशा बिजली चाहिए। फिलहाल भारत अपनी अधिकांश बिजली कोयले से बनाता है जिससे प्रदूषण होता है। भारत ने लक्ष्य रखा है कि साल 2070 तक वो नेट जीरो उत्सर्जन करने वाला देश बनेगा। इसके लिए हमें कोयले को छोड़कर परमाणु ऊर्जा की तरफ जाना होगा। भारत में वर्तमान समय में 22 से ज्यादा परमाणु रिएक्टर हैं और कई नए बन रहे हैं। इन रिएक्टर्स को चलाने के लिए यूरेनियम की भारी जरूरत है। ऑस्ट्रेलिया से मिलने वाला यूरेनियम भारत के न्यूक्लियर पावर प्लांट्स को नई जिंदगी देगा। यह ना केवल सस्ती बिजली देगा बल्कि भारत की ऊर्जा आत्मनिर्भरता को मजबूत करेगा। अब बात करते हैं कि भारत और ऑस्ट्रेलिया की यह यूरेनियम डील चीन के लिए कैसे झटका हो सकती है। इस पूरी खबर के केंद्र में एक ही देश है चीन। चाहे वो फीजी में ऑस्ट्रेलिया का सुरक्षा समझौता हो या भारत को यूरेनियम की सप्लाई। ये सब चीन की घेराबंदी का एक हिस्सा है।

एक अनार कई बीमार की कहावत बलरामपुर जामिया अनवारुल उलूम मदरसा में हुई चरितार्थ एक पद दो नियुक्ति का पर्दाफाश

बलरामपुर मदरसा नियुक्ति प्रकरण में बड़ा खुलासा, विभागीय अनुमोदन प्रणाली पर उठे गंभीर सवाल

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। जहां एक तरफ योगी सरकार अपराध और अपराधियों पर लगाम लगाने के दावे कर रही है और अपराध को लेकर जीरो टारलेन्स का दावा कर रही है। लेकिन प्रदेश में अपराध और अपराधी बेलगाम देखे जा रहे इसमें कहीं न कहीं विभागीय संलिप्ता से इंकार नही किया जा सकता है। जिसके चलते अपराध का खेल बदस्तूर जारी है ।ऐसा ही एक मामला जनपद बलरामपुर के मदरसा का प्रकाश में आया है जहां एक पद पर दो नियुक्तियों के बात सामने आ रही है। जनपद बलरामपुर के राज्यानुदानित मदरसा जामिया अनवारूल उलूम, नई बाजार, तुलसीपुर से जुड़ा नियुक्ति प्रकरण अब केवल एक संस्थान तक सीमित नहीं रह गया है। सूचना का अधिकार (त्ज्) के तहत प्राप्त अभिलेखों, उत्तर प्रदेश मदरसा शिक्षा परिषद के आदेशों तथा विभागीय जांच रिपोर्ट के आधार पर सामने आए तथ्यों ने नियुक्तियों की पारदर्शिता, रिक्त पदों के सत्यापन, वित्तीय अनुमोदन प्रक्रिया तथा विभागीय जवाबदेही पर गंभीर प्रश्न खड़े कर दिए हैं। प्राप्त अभिलेखों के अनुसार वर्ष 2022 में सहायक अध्यापक तहतानिया श्री गुलाम जिलानी के सेवानिवृत्त होने से रिक्त हुए पद पर हामिद रज़ा की नियुक्ति की गई। उपलब्ध रिकॉर्ड के अनुसार तत्कालीन जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी ने नियुक्ति पत्रावली की संस्तुति की तथा उत्तर प्रदेश मदरसा शिक्षा परिषद के तत्कालीन रजिस्ट्रार द्वारा उसी पद के सापेक्ष वित्तीय अनुमोदन भी प्रदान किया गया। संबंधित अभिलेख विभागीय रिकॉर्ड का हिस्सा बताए जाते हैं। मामले ने वर्ष 2025 में नया मोड़ तब लिया, जब उसी सेवानिवृत्त पद को पुनः रिक्त दर्शाते हुए मो. अहमद अंसारी की नियुक्ति की प्रक्रिया पूरी की गई। उपलब्ध दस्तावेजों के अनुसार इस नियुक्ति की भी जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी द्वारा संस्तुति की गई तथा परिषद स्तर से वित्तीय अनुमोदन जारी कर दिया गया। यहीं से सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न उत्पन्न होता है कि यदि वर्ष 2022 में उसी पद पर नियुक्ति एवं वित्तीय अनुमोदन प्रभावी था, तो वर्ष 2025 में उसी पद को दोबारा रिक्त मानकर दूसरी नियुक्ति की संस्तुति एवं अनुमोदन किस आधार पर किया गया? क्या विभागीय अभिलेखों का समुचित सत्यापन किया गया था अथवा अनुमोदन प्रक्रिया में कोई गंभीर प्रशासनिक त्रुटि हुई? प्रकरण उस समय और गंभीर हो गया जब 20 दिसंबर 2025 को जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी द्वारा किए गए औचक निरीक्षण में विभागीय अभिलेखों के अनुसार मो. अहमद अंसारी का नाम उपस्थिति पंजिका में दर्ज नहीं पाया गया। निरीक्षण रिपोर्ट में यह भी उल्लेख किया गया कि शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने उनके नियमित रूप से कार्यरत होने की पुष्टि नहीं की तथा उपलब्ध सीसीटीवी फुटेज में भी उनकी उपस्थिति पर प्रश्न उठाए गए। इसके बाद विभाग द्वारा नोटिस जारी किए गए तथा प्रकरण में एफआईआर दर्ज कर पुलिस जांच प्रारंभ की गई। उत्तर प्रदेश मदरसा शिक्षा परिषद द्वारा जारी आदेशों में जांच रिपोर्ट का उल्लेख करते हुए चयन प्रक्रिया में गंभीर अनियमितताओं की बात कही गई है। रिपोर्ट के अनुसार चयन समिति की बैठक के अभिलेख संदिग्ध अथवा कूटरचित प्रतीत होने, नियुक्ति संबंधी दस्तावेजों में अनियमितता, कथित रूप से फर्जी उपस्थिति के आधार पर वेतन आहरण तथा आवश्यक अभिलेख उपलब्ध न कराए जाने अथवा गायब पाए जाने जैसी बातें दर्ज की गई हैं। जांच रिपोर्ट में तत्कालीन प्रधानाचार्य मेराज अहमद तथा लिपिक अजीज

अहमद की भूमिका पर भी टिप्पणियां की गई हैं। हालांकि इन सभी आरोपों का अंतिम परीक्षण एवं सत्यापन सक्षम न्यायालय तथा विधिक प्रक्रिया के निष्कर्षों पर निर्भर करेगा। जांच के उपरांत उत्तर प्रदेश मदरसा शिक्षा परिषद ने मो. अहमद अंसारी का वित्तीय अनुमोदन निरस्त करते हुए अब तक आहरित वेतन की वसूली, धनराशि राजकोष में जमा कराने तथा आवश्यक विभागीय एवं विधिक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश जारी किए हैं। इस पूरे प्रकरण में सबसे बड़ा प्रश्न विभागीय जवाबदेही का है। यदि वर्ष 2022 की नियुक्ति विधिसम्मत थी और उसका वित्तीय अनुमोदन वैध रूप से जारी हो चुका था, तो वर्ष 2025 में उसी पद पर दूसरी नियुक्ति की अनुमति कैसे दी गई? क्या रिक्त पदों का सत्यापन नहीं किया गया?

क्या विभागीय अभिलेखों का परीक्षण नहीं हुआ? अथवा अनुमोदन प्रक्रिया में ऐसी गंभीर चूक हुई जिसने संपूर्ण व्यवस्था की विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न लगा दिया? चूंकि उपलब्ध अभिलेखों के अनुसार वर्ष 2022 एवं वर्ष 2025 की दोनों नियुक्तियां प्रबंधक द्वारा की गई थीं, इसलिए संस्था के प्रशासनिक संचालन एवं नियुक्ति प्रक्रिया को लेकर भी नए सिरे से प्रश्न उठ रहे हैं। बलरामपुर का यह प्रकरण अब केवल एक मदरसे की नियुक्ति का विवाद नहीं रह गया है, बल्कि यह प्रदेश की मदरसा शिक्षा व्यवस्था में नियुक्तियों की पारदर्शिता, वित्तीय अनुमोदन प्रणाली, विभागीय निगरानी तथा प्रशासनिक जवाबदेही की व्यापक परीक्षा बन चुका है। यदि जांच में सामने आए तथ्य अंतिम रूप से सिद्ध होते हैं, तो यह मामला भविष्य में नियुक्तियों की जांच एवं अनुमोदन प्रक्रिया में सुधार के लिए एक महत्वपूर्ण उदाहरण बन सकता है । इस विषय मे जब अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी से सम्पर्क की गई तो उन्हों ने फोन नही रिसीव किया जिससे जिससे प्रशासनिक अधिकारी का पक्ष नही मिला साथ ही आखिर फोन न उठाएं जाने का कारण क्या है कहीं विभागीय जिम्मेदारों का फोन नही उठाना संलिप्ता का प्रमाण तो नही जिस के कारण मीडिया का फोन तक नही उठाया जा रहा।

गए थे मांगने मनरेगा मजदूरी, मिला लात घूसा और मुकदमा

दैनिक बुद्ध का संदेश

बांसी। सोमवार 06 जुलाई को लगने वाले तहसील दिवस में आए मामलों में एक प्रार्थना

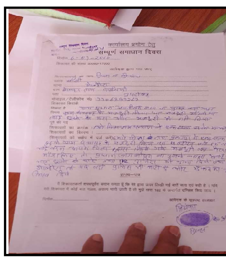

पत्र अपने पिता द्वारा मनरेगा में किए गए बकायाज मजदूरी मांगने गए बच्चों को प्रधान व उनके चाचा द्वारा मारने पीटने का दिया गया। गोल्हौरा थाना अंतर्गत गोनहा ताल पश्चिम के निवासी प्रिंस (16)व प्रियंका (17) ने तहसील दिवस प्रभारी तहसीलदार पियूष श्रीवास्तव के समक्ष आकर शिकायत दी जिसमें लिखा कि 04 जून को हम भाई बहन अपने पिता राम प्रकाश द्वारा 01 साल पहले ग्राम पंचायत में किए गए मजदूरी का पैसा मांगने ग्राम प्रधान के घर गया तो प्रधान जगजीवन यादव व उनके चाचा मुक्त नाथ यादव द्वारा हमको हमारे घर पर आकर लात घूसों से मारे और 112 नं की पुलिस बुला लिए । पुलिस ने थाने पर ले गई वहां भी मारा गया और मुकदमा लिख लिया गया। साथ में आई पीड़ित बच्चों की मां उर्मिला (46) ने कहा कि कि जब मेरे लड़के और लड़की को मारे तब किसी ने प्रधान के भय से छुड़ाया नहीं और थाने पर ले जाकर 02 थप्पड़ मारे भी ।इस बारे में ग्राम प्रधान ने कहा कि मार पीट की बात झूठी है,कुदाल के लिए मेरी मां को गाली दिया जब मै उलाहना लेकर गया तो डंडे से मेरे चाचा के सर पर और मुझे मार दिया जिसकी शिकायत मैंने थाने पर की।

संपूर्ण समाधान दिवस में आयुक्त व डीआईजी ने सुनीं जनसमस्याएं

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा ।आयुक्त देवीपाटन मंडल दुर्गा शक्ति नागपाल ने पुलिस महानिरीक्षक अशोक कुमार शुक्ला के साथ संपूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर जनपद गोन्डा की तहसील तरबगंज में आयोजित जनसुनवाई में नागरिकों की समस्याएं गंभीरता से सुनीं ।उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्राप्त होने वाली प्रत्येक शिकायत का गुणवत्तापूर्ण,निष्पक्ष एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए तथा किसी भी प्रकरण को अनावश्यक रूप से लंबित न रखा जाए ।संपूर्ण समाधान दिवस के दौरान आयुक्त ने 40 से अधिक फरियादियों की शिकायतें सुनीं ।इनमें मुख्य रूप से राजस्व विवाद, चकमार्ग खुलवाने, आयुष्मान कार्ड बनवाने सहित विभिन्न विभागों से संबंधित शिकायतें शामिल थीं ।आयुक्त ने सभी प्रकरणों के त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए तथा कहा कि प्रत्येक शिकायत का समाधान शासन की मंशा के अनुरूप प्राथमिकता के आधार पर किया जाए। आयुक्त ने कहा कि आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनसुनवाई में प्राप्त शिकायतों का मौके पर सत्यापन कराते हुए निर्धारित समय–सीमा के भीतर उनका प्रभावी निस्तारण कराया जाए तथा शिकायतकर्ता को भी की गई कार्रवाई से अवगत कराया जाए ।जनसुनवाई के दौरान आयुक्त ने विशेष रूप से राजस्व विभाग के अधिकारियों को चकमार्गों की पैमाइश एवं पटाई के कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में आवागमन की सुविधा बनाए रखने के लिए चकमार्गों को अतिक्रमणमुक्त कर उनकी पटाई का कार्य प्राथमिकता के आधार पर कराया जाए, जिससे किसानों एवं ग्रामीणों को किसी प्रकार की असुविधा न हो ।उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक समयबद्ध ढंग से पहुंचे तथा जनता की शिकायतों के निस्तारण में किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। संपूर्ण समाधान दिवस में प्राप्त सभी शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण के लिए संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए गए।

घर में घुसकर सिर फोड़ा,3 दिन बाद भी नहीं दर्ज हुआ मुकदमा, पीड़िता ने एसपी से लगाई गुहार

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। जनपद के कर्नलगंज कोतवाली क्षेत्र के ग्राम लालेमऊ में दबंगों की दबंगई थमने का नाम नहीं ले रही। आरोप है कि 3 दिन पहले घर में घुसकर एक व्यक्ति का सिर फोड़ दिया गया, महिला की देवरानी को पीटा गया, और अब पीड़ित परिवार को जान से मारने की धमकी मिल रही है। सबसे बड़ा सवाल ये कि घटना के 72 घंटे बाद भी पुलिस ने एफआईआर दर्ज नहीं की ।पीड़ित महिला जमीकुलनिशां पत्नी मजीद निवासिनी ग्राम लालेमऊ थाना कर्नलगंज ने शुक्रवार को पुलिस अधीक्षक गोन्डा को प्रार्थनापत्र देकर न्याय की गुहार लगाई है ।तहरीर के अनुसार 1 जुलाई 2026 की शाम 6 बजे गांव के ही इरफान, सलमान पुत्रगण मुहैयददीन और बल्ले पुत्र रुस्तम एकराय होकर आए। आरोप है कि पहले लाठी–डंडों से पति मजीद को पीटा, फिर ईंट से सिर पर वार कर सिर फोड़ दिया। इसके बाद मजीद को घर में बंद कर दोबारा मारपीट की गई। बीच–बचाव करने आई देवरानी को भी चोटें आईं। महिला का आरोप है कि घटना की सूचना कर्नलगंज थाने पर दी गई, लेकिन एफआईआर दर्ज नहीं की गई। आरोपी लगातार जान से मार डालने की धमकी दे रहे हैं। दबंगों के हौसले बुलंद हैं। और वह खुलेआम घूम रहे हैं। पीड़िता ने एसपी से मांग की है कि आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर कड़ी कार्रवाई की जाए, वरना उसकी और उसके पति की जान को खतरा है।

पत्रकारों के लिए बड़ी राहतः जल्द शुरू होगा नया पोर्टल, सभी पात्र पत्रकारों के बनेंगे आयुष्मान कार्ड

दैनिक बुद्ध का संदेश

लखनऊ/बहराइच। प्रदेश के पत्रकारों के लिए राहत भरी खबर सामने आई है। सूचना एवं जनसंपर्क विभाग जल्द ही ऐसा नया पोर्टल शुरू करने जा रहा है, जिसके माध्यम से आयुष्मान भारत योजना से अब तक वंचित पत्रकार भी आवेदन कर सकेंगे। इस पहल से उन पत्रकारों को भी लाभ मिलने की उम्मीद है जो वर्तमान पात्रता मानकों या छह यूनिट की सीमा के कारण योजना का लाभ नहीं ले पा रहे हैं ।बताया गया कि 27 मई को लखनऊ के विश्वेश्वरैया सभागार में आयोजित राष्ट्रीय पत्रकार सुरक्षा परिषद के स्थापना दिवस समारोह में परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष देवेंद्र मिश्रा ने मुख्य अतिथि एवं उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक के समक्ष सभी पत्रकारों के आयुष्मान कार्ड बनाए जाने की मांग प्रमुखता से उठाई थी। परिषद की ओर से पूर्व में भी इस संबंध में कई बार ज्ञापन सौंपा गया था ।सूचना निदेशक ने बताया कि जिन पत्रकारों ने पहले आवेदन किया था और जिनका आयुष्मान कार्ड अभी तक नहीं बना है, वे अपनी आवेदन स्थिति ऑनलाईन पर देख सकते हैं। साथ ही उन्होंने जानकारी दी कि विभाग शीघ्र ही नया पोर्टल शुरू करेगा, जिसके माध्यम से पत्रकार अपने–अपने जनपद के जिला सूचना अधिकारी के जरिए आवेदन कर सकेंगे ।राष्ट्रीय पत्रकार सुरक्षा परिषद ने पत्रकार हित में उठाए गए इस कदम के लिए सूचना निदेशक का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि नए पोर्टल के शुरू होने के बाद प्रदेश के अधिक से अधिक पत्रकार आयुष्मान भारत योजना का लाभ प्राप्त कर सकेंगे। विभाग का कहना है कि पोर्टल शुरू होते ही इसकी सूचना सभी जिलों को उपलब्ध करा दी जाएगी, ताकि पात्र पत्रकार समय पर आवेदन कर सकें।

कार्यालय : क्षेत्र पंचायत-खेसरहा जनपद- सिद्धार्थनगर

पत्रांक– 691/2–लेखा/पंजीयन सूचना/2026–27 दिनांक– 4/07/2026

ठेकेदार पेजीयन विज्ञप्ति सूचना

क्षेत्र पंचायत, खेसरहा सिद्धार्थनगर के निर्माण एवं मरम्मत कार्यो के सम्पादन हेतु वित्तीय वर्ष 2020-27 की अवधि के लिये नये ठेकेदारों के पंजीयन हेतु उ0प्र0 क्षेत्र पंचायत एवं जिला पंचायत निर्माण कार्य नियमावली 1964 एवं शासनादेश संख्या 5748/33-02-2006-190/2009 दिनांक 17.11.2006 में दिये गये प्राविधान अपर मुख्य सचिव महोदय उत्तर प्रदेश शासन द्वारा जिला पंचायतों में निविदाए सामान्य टेण्डर प्रणाली के स्थान पर ई-टेंडरिंग व्यवस्था लागू किये जाने हेतु दिये गये आदेशो के क्रम में आवेचन पत्र आमंत्रित किये जाते है। क्षेत्र पंचायत खेसरहा सिद्धार्थनगर के पंजीकृत ठेकेदारों से शासनादेशानुसार क्षेत्र पंचायत के निर्माण कार्यो एवं अन्य कार्यो के सम्बया में आमंत्रित किये जाने वाली निविदाओं में जिला पंचायत के पंजीकृत ठेकेदारो के साथ-साथ सिचाई विभाग/लोक निर्माण विभाग/ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग व अन्य सरकारी विभागों के पंजीकृत ठेकेदारों द्वारा भी प्रतिभाग किया जा सकता है।

क्षेत्र पंचायत में निर्माण/मरम्मत कार्य करने हेतु प्रस्तर-2 में दिये गये प्रमाण पत्र/अभिलेख जामा करना अनिवार्य होगा। प्रस्तर-1 में दिये गये श्रेणीवार सामान्य जमामत, हैसियत प्रमाण पत्र, चरित्र प्रमाण पत्र के साथ आवेदन करना अनिवार्य होगा। अन्य श्रेणीवार पंजीयन सम्बन्धी सूचना निम्न प्रकार है-

प्रस्तर-1 (शासनादेश सं0 3400 दिनाक 28.7.2008 लो0नि0वि0-7 के अनुसार)

श्रेणी	सामान्य जमानत	हैसियत	पंजीयन शुल्क	निमार्ण कार्य कराने की सीमा
1	2	3	4	5
ए श्रेणी	100000.00	3000000.00	10000.00	कोई सीमा नही
बी श्रेणी	75000.00	2000000.00	7000.00	10 लाख तक
सी0 श्रेणी	50000.00	1000000.00	500.00	5 लाख तक

इच्छुक व्यक्ति अपना आवेदन पत्र वांछित अभिलेखों के साथ दिनांक 08.7.2026 से 13.07.2026 तथा समय 12.00 बजे से 2.00 बजे तक प्रस्तुत कर सकेंगे।

प्रकार-2

पंजीयन आवेदन पत्र के साथ मूल प्रमाण पत्र की प्रमाणित छायाप्रति जमा करना अनिवार्य है।

1. आर्थिक क्षमता (हैसियत प्रमाण पत्र) जो अधिकतम 02 वर्ष की सीमान्तर्गत निर्गत किया गया हो पूर्व प्रचलित संतोषजनक गतिविधियी सम्बन्धी बरित्र प्रमाण पत्र जो जिलाधिकारी द्वारा निर्गत ही जमा करना अनिवार्य होगा। 03 वर्ष की सीमावधि के अन्तर्गत होगा।
2. राज्य सरकार के किसी निर्माण विभाग में कार्य करने का अनुभव प्रमाण पत्र जो अधिशासी अभियन्ता एवं सक्षम अधिकारी के स्तर से जारी किया गया हो।
3. आयकर अदेयता प्रमाण पत्र 2 वर्ष/पैन कार्ड।
4. जी0एस0टी0 देयता प्रमाण पत्र 2वर्ष जी0एस0टी0 नम्बर।
5. दो फोटोग्राफ किसी राजपत्रित अधिकारी से प्रमाणित कराकर परिचय पत्र पर चिपका कर पूर्ण विवरण सहित अंकित कर जमा करना होगा।
6. सामान्य जमानत धनराशि का एन0एस0सी0/एफ0डी0आर0 खण्ड विकास अधिकारी, के पक्ष में बंधक कराकर जमा करना होगा।
7. सेवा नियमावली 1970 के अन्तर्गत अधिकारी/कर्मचारी/मा0 प्रमुख / ग्राम प्रधान /क्षेत्र पंचायत सदस्य के निकट सम्बन्धी पंजीयन के लिए पात्र नहीं होगे।
8. राज्य बार काउन्सिल में पंजीकृत अधिवक्ता आवेदन के लिए पात्र नहीं होगे।
9. आधार कार्ड।
10. अन्य विभाग ने पंजीकृत ठेकेदार शासनादेशानुसार विकास खण्ड स्तर पर पंजीयन में भाग ले सकते है।
11. खण्ड विकास अधिकारी, खेसरहा एवं प्रमुख क्षेत्र पंचायत खेसरहा सिद्धार्थनगर के सहमति पर पंजीयन किया जायेगा।
12. पंजीयन शुल्क जो उक्त तासिका के कालम नं0 (4)में अंकित है NEFT/RTGS खाता सं0 11167054250 बैंक का नाम भारतीय स्टेट बैंक बांध का नाम- खेसरहा IFSC Code&SBINOO03621 में पुष्टि रसीद की स्कैन कापी निविदा के साथ संलग्न करना अनिवार्य होगा।

खण्ड विकास अधिकारी
क्षेत्र पंचायत खेसरहा
जनपद- सिद्धार्थनगर

प्रमुख
क्षेत्र पंचायत खेसरहा
जनपद- सिद्धार्थनगर

नकली शराब बनाने वाले अंतर्राज्यीय गिरोह का भंडाफोड़, भारी मात्रा में शराब निर्माण सामग्री, वरामद

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र ।पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के निर्देशन में जनपद में अवैध शराब के निर्माण, परिवहन एवं तस्करी के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के क्रम में, अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय अनिल कुमार एवं क्षेत्राधिकारी नगर श्री रणधीर मिश्रा के पर्यवेक्षण तथा प्रभारी निरीक्षक थाना रॉबर्ट्सगंज रामस्वरूप वर्मा के नेतृत्व में थाना रॉबर्ट्सगंज पुलिस टीम द्वारा बड़ी सफलता प्राप्त करते हुए नकली शराब बनाने एवं बिहार राज्य में आपूर्ति करने वाले अंतर्राज्यीय गिरोह का पर्दाफाश किया गया। 05.07.2026 को थाना रॉबर्ट्सगंज पुलिस को सूचना प्राप्त हुई कि थाना रॉबर्ट्सगंज क्षेत्रान्तर्गत ग्राम बट्ट स्थित मामा ढाबा परिसर में ट्रेलर खड़ा है, जिसमें अवैध शराब बनाने में प्रयुक्त सामग्री लदी हुई है। प्राप्त सूचना पर तत्काल थाना रॉबर्ट्सगंज पुलिस टीम द्वारा मौके पर पहुंचकर ट्रेलर की ई–साक्ष्य ऐप के माध्यम से ऑडियो–वीडियो रिकॉर्डिंग करते हुए विधिक तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान ट्रेलर के अंदर से भारी मात्रा में 200–200 लीटर क्षमता के 03 प्लास्टिक ड्रमों में कुल 600 लीटर रेक्टिफाइड स्पिरिट, कैरेमल, शराब में प्रयोग होने वाला एसेंस (लेवरिंग सब्सटेंस), यूनाइटेड स्पिरिट ब्रांड का पैकिंग टेप तथा विभिन्न आकार की लगभग 36,000 कांच की शराब की शीशियां बरामद हुईं। बरामद समस्त सामग्री अवैध रूप से नकली शराब तैयार कर उसकी पैकेजिंग एवं ब्रांडेड कंपनियों के नाम से बिक्री किए जाने में प्रयुक्त होने वाली पाई गई। मौके से ट्रेलर सहित समस्त सामग्री को कब्जे में लेते हुए दो अभियुक्तों को गिरतार किया गया। पूछताछ एवं उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर थाना रॉबर्ट्सगंज पर मु0अ0अंतर्गत धारा 60/62/63/72 आबकारी अधिनियम एवं धारा 319, 318(4), 338, 336(3), 340(2) बीएनएस पंजी.त कर अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है।गिरतार अभियुक्तों ने पूछताछ में बताया कि वे अपने संचालकों की सफल योजना पर पंजाब के खन्ना (जिला लुधियाना) से शराब निर्माण में प्रयुक्त रेक्टिफाइड स्पिरिट, कैरेमल, लेवरिंग एसेंस, पैकिंग टेप एवं विभिन्न ब्रांड की खाली कांच की बोतलें लेकर बिहार–झारखंड सीमा स्थित हरिहरगंज क्षेत्र जा रहे थे। अभियुक्तों ने स्वीकार किया कि उक्त सामग्री को आपस में मिलाकर नकली शराब तैयार की जाती थी तथा विभिन्न प्रतिष्ठित शराब कंपनियों के नाम एवं पैकिंग का प्रयोग कर उसे असली शराब के रूप में बिहार राज्य में अवैध रूप से बेचा जाता था।पूछताछ में यह भी बताया गया कि बरामद माल के परिवहन हेतु प्रयुक्त बिल्टी एवं अन्य परिवहन अभिलेख फर्जी थे, जिन्हें केवल पुलिस एवं अन्य जांच एजेंसियों को भ्रमित करने के उद्देश्य से तैयार कराया गया था। गिरोह के सरगना एक ही पंजीकरण संख्या का उपयोग विभिन्न वाहनों में कर अवैध शराब की तस्करी कराते हैं तथा सम्पूर्ण नेटवर्क का संचालन व्हाट्सएप कॉल एवं मोबाइल के माध्यम से करते हैं। रास्ते में खर्च हेतु गिरोह के संचालकों द्वारा फोन–पे के माध्यम से धनराशि उपलब्ध कराई जाती थी तथा उसी धनराशि से टोल टैक्स एवं अन्य खर्चों का भुगतान किया जाता था। साथ ही अभियुक्तों के द्वारा बताया गया कि बरामद सामग्री के सम्बन्ध में उनके पास कोई वैध लाइसेंस, अनुमति–पत्र अथवा अधि.त दस्तावेज नहीं है तथा स्वीकार किया कि उक्त समस्त कार्य अवैध रूप से किया जा रहा था। हम लोग थोड़ी देर में यहाँ से आराम करके हरिहरगंज के लिए निकलने वाले थे कि आप लोगों के द्वारा हमको पकड़ लिया गया।

डीएम ने सुनीं 104 फरियादें, राजस्व विभाग की शिकायतें रहीं सबसे अधिक

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। जनपद की तहसील पयागपुर में आयोजित सम्पूर्ण

समाधान दिवस में जिलाधिकारी ने आमजन की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए। समाधान दिवस में अपनी समस्याएं लेकर बड़ी संख्या में फरियादी पहुंचे ।कार्यक्रम के दौरान कुल 104 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए, जिनमें से कई मामलों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया, जबकि शेष शिकायतों को संबंधित विभागों को निर्धारित समय सीमा में कार्रवाई के निर्देशों के साथ भेजा गया ।समाधान दिवस में राजस्व विभाग से जुड़ी शिकायतें सर्वाधिक रहीं। जिलाधिकारी ने भूमि विवाद, पैमाइश, नामांतरण और कब्जे से संबंधित मामलों में लापरवाही न बरतने के निर्देश देते हुए कहा कि शिकायतों का निष्पक्ष और शीघ्र समाधान सुनिश्चित किया जाए ।इस अवसर पर पुलिस एवं प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे। अधिकारियों ने फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता से सुना तथा संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए ।जिलाधिकारी ने सभी विभागों के अधिकारियों से कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप प्रत्येक शिकायत का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया जाए, ताकि आमजन को अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें।

एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत चेरी व देवरी में ग्रीन चौपाल, का आयोजन

ब्लॉक प्रमुख ने आम के पौधे रोपकर दिया पर्यावरण संरक्षण का सदेश

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र ।म्योरपुर वन रेंज के चेरी और देवरी में रविवार को वन विभाग की ओर से ग्रीन चौपाल, श्एक पेड़ मां के नामश अभियान तथा आम महोत्सव के तहत पौधरोपण एवं पौधा वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया ।ब्लॉक प्रमुख मान सिंह गोंड नेआम के पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया तथा किसानों को फलदार पौधों का वितरण किया गया ।ब्लॉक प्रमुख श्री गोंड और रेंजर जबर सिंह ने कहा कि वृक्ष पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के साथ जल संरक्षण, मिट्टी के कटाव को रोकने, जैव विविधता को बढ़ावा देने और स्वच्छ ऑक्सीजन उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। फलदार पौधों का रोपण किसानों की आय बढ़ाने के साथ पोषण सुरक्षा को भी मजबूत करता है। ग्रामीणों से अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा उनकी देखभाल करने की अपील की गई ।ग्रामीणों ने पौधरोपण कर उनके संरक्षण का संकल्प लिया ।रेंजर ने कहा कि आज लगाया गया एक पौधा आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ पर्यावरण, हरियाली और बेहतर भविष्य की अमूल्य धरोहर बनेगा ।इस अवसर पर रेंजर जबर सिंह यादव, डिप्टी रेंजर विजेंद्र सिंह, वनकर्मी चंद्रभान पटेल, सुजीत अग्रहरि, भाजपा नेता, ग्राम प्रधान चेरी ईश्वर प्रसाद, ग्राम प्रधान देवरी भोला प्रसाद,सुधीर, वन विभाग के समस्त अधिकारी एवं कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

अमवार विद्युत उपकेंद्र की बिजली व्यवस्था चरमराई, उपभोक्ताओं में आक्रोश

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। अमवार विद्युत उपकेंद्र से जुड़े दर्जनों गांवों में पिछले तीन दिनों से बिजली आपूर्ति गंभीर रूप से प्रभावित है। लगातार हो रही अघोषित कटौती और बार–बार बिजली आने–जाने से क्षेत्र के लोगों का जनजीवन अस्त–व्यस्त हो गया है। उमस भरी गर्मी में ग्रामीणों को दिन और रात दोनों समय भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है ।ग्रामीणों का आरोप है कि बिजली आपूर्ति का कोई निर्धारित समय नहीं है। कई–कई घंटों तक बिजली गुल रहने से घरेलू कार्य, पेयजल आपूर्ति, खेती–किसानी और छोटे व्यापार प्रभावित हो रहे हैं। वहीं विद्यार्थियों की पढ़ाई भी बाधित हो रही है ।ग्रामीण रामवृक्ष, सोहनलाल, विद्वान, रमेश, भोला, दिनेश, शंकर, अलाउद्दीन, कुतुबुद्दीन, रहमान सहित अन्य लोगों का कहना है कि यदि जल्द ही बिजली व्यवस्था में सुधार नहीं हुआ तो वे आंदोलन करने को विवश होंगे। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि लगातार उपेक्षा होने पर बिजली विभाग के खिलाफ धरना–प्रदर्शन किया जाएगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी विभाग की होगी ।ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि क्षेत्र के जूनियर अवर अभियंता उपभोक्ताओं के फोन तक रिसीव नहीं करते, जिससे लोगों की समस्याओं का समाधान नहीं हो पा रहा है ।ग्रामीणों ने बिजली विभाग के उच्च अधिकारियों से मांग की है कि अमवार विद्युत उपकेंद्र की तकनीकी खामियों को तत्काल दूर कर नियमित एवं निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जाए, ताकि उपभोक्ताओं को राहत मिले,।

नगर निकायों में सुनी गयी समस्या किया गया निस्तारण

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र ।उ0प्र0 शासन द्वारा जन शिकायतों की सुनवाई तथा

उनका गुणवत्तापूर्ण ढ़ंग से निस्तारण के लिए प्रत्येक सोमवार को नगरीय निकायों में समाधान दिवस सम्भव का आयोजन हेतु दिये गये आदेश के क्रम में – 06 जुलाई को मुकेश कुमार अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद , की अध्यक्षता में जनसुनवाई (सम्भव) दिवस का अयोजन किया गया। तत्क्रम में जनसुनवाई (सम्भव) दिवस में प्राप्त शिकायतें क्रमशः नगर पालिका परिषद सोनभद्र में 1, नगर पंचायत घोरावल में 1, नगर पंचायत चुर्क घुर्मा में 2, नगर पंचायत चोपन में 4, नगर पंचायत ओबर में 4, नगर पंचायत रेनुकूट में 4, नगर पंचायत पिपरी में 4, नगर पंचायत दुद्धी में 2, नगर पंचायत डाला बजार में 1, नगर पंचायत अनपरा में 2, समस्त निकायों में कुल 25 शिकायतें प्राप्त हुई जिनमें मुख्य रूप से साफ–सफाई, पेयजल व मार्ग प्रकाश, इत्यादि से सम्बन्धित सभी शिकायतों का तत्काल निस्तारण कराया गया। मुकेश कुमार अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद , द्वारा बताया गया कि जनता की समस्याओं से रूबरू होने व उसका समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण निस्तारण शासन की शीर्ष प्राथमिकता पर है इस पर तत्परतापूर्वक कार्यवाही की जा रही है उक्त अवसर पर सदस्यगण एवं नगर पालिका कर्मचारी आदि उपस्थित रहें।

सोनभद्रः म्पूर्ण समाधान दिवस में 337 शिकायतें आईं, 27 का मौके पर निस्तारण

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। शासन के निर्देशानुसार जुलाई माह के प्रथम शनिवार के स्थान पर सोमवार को जिले की चारों तहसीलों में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। इस दौरान अधिकारियों ने फरियादियों की समस्याएं सुनकर गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण के निर्देश दिए ।ओबरा तहसील में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस की अध्यक्षता जिलाधिकारी चर्चित गौड़ एवं पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा ने की। यहां प्राप्त भूमि विवाद संबंधी मामलों में टीम गठित कर स्थलीय जांच कराने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने कहा कि शिकायतों का निस्तारण करने के बाद शिकायतकर्ताओं से फीडबैक भी अवश्य लिया जाए, ताकि उन्हें किसी प्रकार की असुविधा न हो और समस्याओं का प्रभावी समाधान सुनिश्चित किया जा सके। उन्होंने सभी अधिकारियों को प्रत्येक शिकायत का गंभीरता से परीक्षण कर गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने के निर्देश दिए। ओबरा तहसील में कुल 119 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 6 मामलों का मौके पर निस्तारण किया गया, जबकि शेष 113 मामलों के समयबद्ध निस्तारण के निर्देश दिए गए ।राबर्ट्सगंज तहसील में उप जिलाधिकारी अश्वनी कुमार की अध्यक्षता में समाधान दिवस आयोजित हुआ। यहां अधिकारियों ने 36 शिकायतें सुनीं, जिनमें से 6 मामलों का मौके पर निस्तारण किया गया। शेष 30 मामलों के शीघ्र और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए ।घोरावल तहसील में उप जिलाधिकारी आशीष कुमार त्रिपाठी की अध्यक्षता में आयोजित समाधान दिवस में 97 शिकायतें प्राप्त हुईं। इनमें से 8 मामलों का तत्काल निस्तारण किया गया, जबकि 89 मामलों को समयबद्ध तरीके से निस्तारित करने के निर्देश दिए गए। दुद्धी तहसील में अपर जिलाधिकारी (वि./रा.) वागीश कुमार शुक्ला की अध्यक्षता में समाधान दिवस आयोजित किया गया। इस दौरान 85 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 7 मामलों का मौके पर निस्तारण किया गया। शेष 78 प्रार्थना पत्रों के गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए ।जिले की चारों तहसीलों में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान कुल 337 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 27 शिकायतों का मौके पर अथवा टीम भेजकर निस्तारण किया गया। प्रशासन ने शेष मामलों का शीघ्र, पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए हैं।

ट्रांसफार्मर एक सप्ताह से खतरा बनवाने की मांग

दैनिक बुद्ध का संदेश

करमा/सोनभद्र। स्थानीय विकास खंड अन्तर्गत ग्राम पंचायत भरकवाह के गांव चांड़ी मे लगा ट्रांसफार्मर एक सप्ताह से खराब पड़ा है, जिससे गांव मे पेयजल के लिए हाहाकार मचा हुआ है। ग्राम प्रधान विकास सिंह ने बताया कि खराब पड़े ट्रांसफार्मर की जानकारी बिजली विभाग को दे दी गयी है, लेकिन बिजली विभाग ट्रांसफार्मर बदलने को लेकर पता नहीं किस कारण खामोश बैठा है। ट्रांसफार्मर बदलना बिजली विभाग की जिम्मेवारी है, इधर ग्रामीण ट्रांसफार्मर नहीं बदलने को लेकर शासन ब्यवस्था का दोष निकाल रहें हैं। जिससे सरकार की छवि खराब हो रही है, ग्राम प्रधान ने इस ओर जिलाधिकारी का ध्यान आ.ष्ट कराया है।

मुख्यमंत्री के संभावित जनपद भ्रमण के तैयारियों की डीएम ने की विस्तृत समीक्षा, अधिकारियों को समय से व्यवस्थाएं पूर्ण करने का दिया निर्देश

कुशीनगर, 06 जुलाई (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के मुखिया मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के संभावित जनपद भ्रमण के मद्देनजर कैंप कार्यालय में जिलाधिकारी की अध्यक्षता तथा पुलिस अधीक्षक की उपस्थिति में प्रशासनिक एवं विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक कर तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की गई।

बैठक में प्रस्तावित कार्यक्रम स्थल पर हेलीपैड निर्माण, वीआईपी एवं सामान्य पार्किंग, आगंतुकों के लिए शुद्ध पेयजल, पर्याप्त बैठक व्यवस्था, पंडाल एवं मंच निर्माण, सेफ हाउस की व्यवस्था, बैरिकेडिंग, साफ सफाई, विद्युत, चिकित्सा, सुरक्षा, यातायात प्रबंधन तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं की बिंदुवार समीक्षा की गई। साथ ही विभिन्न विभागों द्वारा लगाए जाने वाले प्रदर्शनी स्टॉलों की तैयारियों, अन्नप्राशन कार्यक्रम तथा विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों को प्रमाण–पत्र एवं स्वीकृति पत्र वितरण की व्यवस्थाओं की भी समीक्षा की गई ।जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि उन्हें सौंपे गए सभी कार्यों को निर्धारित समय–सीमा के भीतर गुणवत्ता के साथ पूर्ण किया जाए। उन्होंने कहा कि सभी विभाग आपसी समन्वय स्थापित करते हुए प्रत्येक व्यवस्था का पूर्व परीक्षण सुनिश्चित करें, ताकि कार्यक्रम का सफल एवं सुव्यवस्थित आयोजन किया जा सके। बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि कार्यक्रम स्थल पर आने वाले आमजन को किसी प्रकार की असुविधा न हो तथा सुरक्षा, यातायात, स्वच्छता एवं मूलभूत सुविधाओं की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। साथ ही सभी विभाग अपने–अपने दायित्वों का नियमित अनुश्रवण करते हुए प्रगति से अवगत कराते रहें।

साइबर ठगी की शिकार महिला को मिली राहत, पुलिस ने खाते में वापस कराए 11,630

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। साइबर अपराध के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत सोनभद्र पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए साइबर ठगी की शिकार एक महिला के बैंक खाते में ₹11,630 की धनराशि वापस कराकर सराहनीय कार्य किया है ।पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) ऋषभ रुणवाल के पर्यवेक्षण, क्षेत्राधिकारी दुद्धी वी.पी. साहनी के मार्गदर्शन तथा प्रभारी निरीक्षक धर्मेन्द्र कुमार सिंह के नेतृत्व में थाना दुद्धी की साइबर हेल्प डेस्क ने यह कार्रवाई की ।जानकारी के अनुसार, मीना देवी, पत्नी राजेन्द्र सिंह, निवासी ग्राम मझौली, थाना दुद्धी, जनपद सोनभद्र के बैंक खाते से अज्ञात साइबर अपराधियों ने एक फर्जी लिंक के माध्यम से ₹60,000 की ठगी कर ली थी। घटना के बाद पीड़िता ने एनसीआरपी पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई ।शिकायत मिलते ही थाना दुद्धी की साइबर टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए आवश्यक साक्ष्य जुटाए और ₹46,902.23 की धनराशि होल्ड कराई। इसके बाद माननीय न्यायालय के आदेश के अनुपालन में संबंधित बैंक से समन्वय स्थापित कर होल्ड की गई राशि में से ₹11,630 सफलतापूर्वक पीड़िता के बैंक खाते में वापस करा दिए गए ।धनराशि वापस मिलने पर पीड़िता ने पुलिस अधीक्षक, अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन), क्षेत्राधिकारी दुद्धी, प्रभारी निरीक्षक थाना दुद्धी तथा साइबर हेल्प डेस्क की टीम का आभार व्यक्त करते हुए उनकी त्वरित और प्रभावी कार्रवाई की सराहना की ।पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि किसी भी अज्ञात लिंक पर क्लिक न करें और साइबर ठगी की स्थिति में तत्काल 1930 साइबर हेल्पलाइन या एनसीआरपी पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराएं, ताकि समय रहते धनराशि सुरक्षित कराई जा सके।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रकः– श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स , ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट–हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद–सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादक– राजेश कुमार शर्मा
आर.एन.आई. नं.–UPHIN/2012/49458 9415163471, 9453824459 दैनिक बुद्ध का संदेश 9795951917,9415163471 @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी.एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन समस्त विवाद जनपद–सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।

आलिया की अल्फा ने पकड़ी बॉक्स ऑफिस पर रफ्तार, फिल्म ने दूसरे दिन कमाए 11.25 करोड़, ओपनिंग डे कलेक्शन को छोड़ा पीछे

आलिया भट्ट पिछले कुछ दिनों से अपनी अपकमिंग स्पाई–थ्रिलर फिल्म अल्फा को लेकर चर्चा में थीं, जो अब सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। यशराज फिल्म्स की स्पाई यूनिवर्स की इस महिला प्रधान फिल्म में आलिया के साथ शरवरी वाघ भी मुख्य भूमिका में हैं और इन दोनों अभिनेत्रियों के साथ बॉबी देओल और अनिल कपूर भी अहम भूमिका में हैं। ये स्पाई एक्शन–थ्रिलर फिल्म अल्फा 3 जुलाई यानी इसी शुक्रवार को सिनेमाघरों में रिलीज हुई और दर्शकों और क्रिटिक्स से मिली–जुली प्रतिक्रिया के बावजूद, फिल्म ने ओपनिंग डे पर अच्छी कमाई की और अब ये तेजी से रफ्तार पकड़ती दिख रही है। रिलीज के दूसरे दिन, यानी पहले शनिवार को इसने 11.25 करोड़ का कलेक्शन किया है, जो पहले दिन की तुलना में 2 करोड़ अधिक है।

आलिया भट्ट और शरवरी वाघ स्टारर अल्फा को लेकर काफी चर्चा थी, लेकिन कुछ नकारात्मक वजहों से। फिल्म का ट्रेलर लॉन्च होने के बाद इसे दर्शकों से कुछ खास रिस्पॉन्स नहीं मिला, लेकिन फिल्म के रिलीज होने के बाद ये मिली–जुली प्रतिक्रिया के बावजूद बॉक्स ऑफिस पर ठीक–ठाक प्रदर्शन में सफल रही। सैकनिलक के अनुसार, फिल्म ने भारत में 9.25 करोड़ रुपये का नेट कलेक्शन किया और अब दूसरे दिन के आंकड़े भी सामने आ चुके हैं, जिसके अनुसार फिल्म ने पहले दिन 11.25 करोड़ का कलेक्शन किया है। इसी के साथ फिल्म का टोटल कलेक्शन 20.50 करोड़ हो गया है।

कम कमाई के बावजूद, अल्फा ने एक अहम रिकॉर्ड बनाया है। ओपनिंग डे पर 9.5 करोड़ रुपये की कमाई के साथ, यह आलिया भट्ट के करियर की 10वीं सबसे बड़ी ओपनर बन गई है। हम्प्टी शर्मा की दुल्हनिया (9. 02 करोड़ रुपये) की ओपनिंग डे की कमाई का रिकॉर्ड तोड़ते हुए इसने 10वें नंबर पर जगह हासिल की है, जबकि ब्रह्मास्त्र 37 करोड़ के साथ टॉप पर है। वहीं 21.6 करोड़ की ओपनिंग के साथ कलंक दूसरे नंबर पर, 19.4 करोड़ के साथ गली बॉय तीसरे नंबर पर, 13.1 करोड़ के साथ शानदार चौथे नंबर पर और 12. 42 करोड़ के साथ 2 स्टेट्स पांचवे नंबर पर है। वहीं बद्रीनाथ की दुल्हनिया ने पहले दिन 12.25 करोड़, रॉकी और रानी की प्रेम कहानी ने 11.1 करोड़, गंगूबाई काठियावाड़ी ने 10.5 करोड़ और उड़ता पंजाब ने पहले दिन 10.05 करोड़ का कलेक्शन किया था।

अल्फा की बात करें तो यशराज फिल्म्स की इस स्पाई थ्रिलर में आलिया भट्ट और शरवरी वाघ मुख्य भूमिका में हैं। ये दोनों की साथ में पहली फिल्म है। फिल्म में अनिल कपूर और बॉबी देओल भी अहम भूमिकाओं में हैं। ये वाईआरएफ की पहली महिला प्रधान स्पाई–थ्रिलर फिल्म है, जिसमें बॉबी देओल ने विलेन की भूमिका निभाई है और आलिया और शरवरी मुख्य भूमिकाओं में हैं। फिल्म में वॉर के कबीर यानी ऋतिक रोशन का भी कैमियो है, जिसकी झलक ट्रेलर में भी देखने को मिली थी। हाल ही में करण जौहर ने एक पोस्ट साझा करते हुए अल्फा और आलिया भट्ट की जमकर तारीफ की और फिल्म को अपना समर्थन दिया। करीना कपूर खान भी इस फिल्म की तारीफ कर चुकी हैं।

वधाला का रिलीज डेट से उठा पर्दा, निर्माताओं ने पोस्टर जारी कर बताई तारीख

कई सुपरहिट फिल्मों में काम कर चुके जगपति बाबू और लया, वधला नाम की साइकोलॉजिकल थ्रिलर फिल्म के साथ सभी

को चौंकाने के लिए वापस आ रहे हैं। अकेल्ला वी कृष्णा इस फिल्म को डायरेक्ट कर रहे हैं और फिल्म का काम तेजी से चल रहा है। फिल्म के प्रमोशन और टीजर को हर तरफ से अच्छा रिस्पॉन्स मिला। ताजा जानकारी के मुताबिक, मेकर्स ने फिल्म की रिलीज डेट तय कर ली है। यह फिल्म 17 जुलाई 2026 को रिलीज होगी। किशोर नायडू चिरुमामिला और थम्मारेडी भारद्वाज चरिता चित्रा बैनर के तहत इस फिल्म को प्रोड्यूस कर रहे हैं। वधला में जगपति बाबू और लाया टीनएज बच्चों के माता–पिता के रोल में नजर आएंगे। सीनियर एक्ट्रेस अमानी की भतीजी ऋतिका श्रीनिवास वधला से एक अहम रोल के साथ एक्टिंग की दुनिया में कदम रख रही हैं। छोटा के. नायडू ने सिनेमैटोग्राफी की है, जबकि कार्तिक कोडकंडला ने म्यूजिक दिया है। वधला की ज़्यादातर शूटिंग मध्य प्रदेश में हुई है और पोस्ट–प्रोडक्शन का काम पहले ही पूरा हो चुका है। वधला जगपति बाबू और थम्मारेडी भारद्वाज के बीच एक और कोलेबोरेशन हैय इससे पहले दोनों ने अंतपुरम में साथ काम किया था।

अन्नू कपूर की उत्तर दा पुत्तर का ट्रेलर आउटः अंधविश्वास पर कॉमेडी का अनोखा तड़का,24 जुलाई को सिनेमाघरों में होगी रिलीज

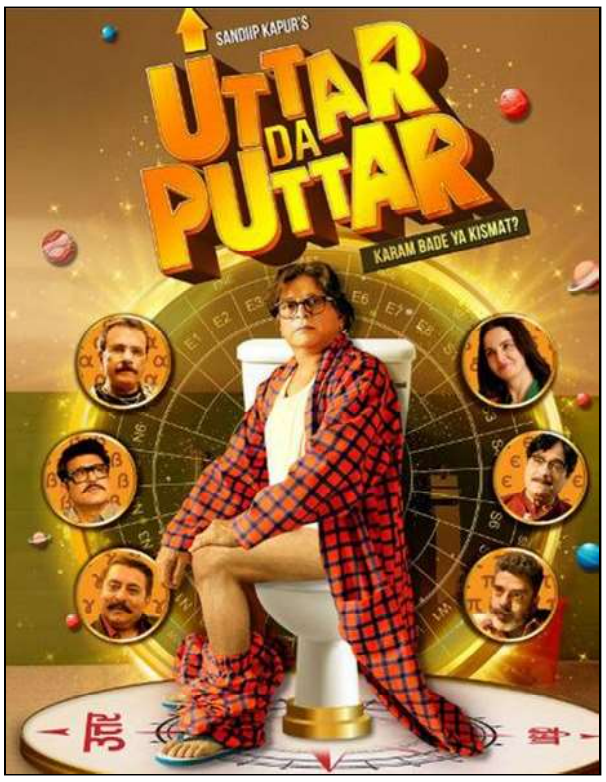

दिग्गज अभिनेता मनोज बाजपेयी ने फिल्म उत्तर दा पुत्तर का आधिकारिक ट्रेलर लॉन्च किया। ट्रेलर दर्शकों को एक ऐसी अनोखी कॉमेडी–ड्रामा दुनिया की झलक देता है, जिसमें हास्य, भावनाएं और सामाजिक व्यंग्य का दिलचस्प मिश्रण देखने को मिलता है। फिल्म मनोरंजक अंदाज में वास्तुशास्त्र, अंधविश्वास और उन धारणाओं पर कटाक्ष करती है, जो अक्सर लोगों के रोजमर्रा के फैसलों को प्रभावित करती हैं। ट्रेलर एक ऐसी मजेदार दुनिया की झलक पेश करता है, जहां विश्वास, किस्मत और मानवीय भावनाएं अप्रत्याशित परिस्थितियों में आपस में टकराती नजर आती हैं। कॉमिक पलों और पारिवारिक ड्रामे से भरपूर उत्तर दा पुत्तर यह दिखाने की कोशिश करती है कि खुशी और सफलता की तलाश में लोग किस तरह दिशाओं, मान्यताओं और धारणाओं में समाधान खोजने लगते हैं।

फिल्म में अन्नू कपूर मुख्य भूमिका निभा रहे हैं। वह एक ऐसे व्यक्ति के किरदार में दिखाई देंगे, जिसकी जिंदगी उस समय अचानक बदलने लगती है जब उसे यकीन हो जाता है कि सही दिशा उसकी किस्मत बदल सकती है। इसके बाद उसकी यात्रा कई मजेदार घटनाओं और उलझनों से गुजरती है, जो हंसी, भावनाओं और रिश्तों से भरपूर मनोरंजन का सफर बन जाती है। फिल्म में रुखसार रहमान, बृजेन्द्र काला, पवन मल्होत्रा, इश्तियाक खान, जीवेषु अहलूवालिया, राजेंद्र सेठी, सुमित गुलाटी और नितिन अरोड़ा भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे, जो फिल्म की कहानी को और रंगीन बनाते हैं। प्रोमोडोम मोशन पिक्चर्स के बैनर तले संदीप कपूर और प्रिया कपूर द्वारा निर्मित उत्तर दा पुत्तर का लेखन और निर्देशन रविंदर सिवाच ने किया है, जबकि इसकी कहानी संदीप कपूर द्वारा लिखी गई है। फिल्म के बारे में बात करते हुए निर्माता संदीप कपूर ने कहा, उत्तर दा पुत्तर के ट्रेलर लॉन्च के लिए मनोज बाजपेयी का साथ मिलना हमारे लिए बेहद खुशी की बात है। यह फिल्म एक सम्पूर्ण फैमिली एंटरटेनर है। कहानी के केंद्र में हास्य है, लेकिन इसके जरिए यह भी दिखाया गया है कि कई बार लोग अपनी मान्यताओं और धारणाओं को अपने फैसलों पर हावी होने देते हैं। हमने इस विचार को हल्के–फुल्के और मनोरंजक तरीके से पेश करने की कोशिश की है। निर्देशक रविंदर सिवाच ने कहा, उत्तर दा पुत्तर एक ऐसी दुनिया को पेश करती है जो मजेदार, वास्तविक और यादगार किरदारों से भरी हुई है। ट्रेलर सिर्फ दर्शकों को फिल्म की एक छोटी सी झलक देता है, जबकि फिल्म में इससे कहीं ज्यादा ड्रामा, हास्य और भावनाएं देखने को मिलेंगी। फिल्म उत्तर दा पुत्तर 24 जुलाई 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

फीमेल एक्टर्स को हल्के में लिया जाता है..., कृति सेनन ने फिल्म इंडस्ट्री के जेंडर बायस पर तोड़ी चुप्पी

बॉलीवुड एक्ट्रेस कृति सेनन इन दिनों अपनी फिल्म कॉकटेल 2 को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं. फिल्म में उनकी एक्टिंग की

खूब तारीफ हो रही है. अब इस बीच कृति अपने एक इंटरव्यू को लेकर चर्चा में आ गई हैं. एक्ट्रेस ने हाल ही में फिल्म इंडस्ट्री में महिलाओं के साथ होने वाले जेंडर बायस पर खुलकर अपनी राय रखी है.

कृति सेनन ने फिल्म इंडस्ट्री में अपने साथ हुए जेंडर बायस के बारे में बात की है. उन्होंने बताया कि फीमेल एक्टर्स को अक्सर उनके मेल काउंटरपार्ट्स से अलग तरह से जज किया जाता है. कृति ने इंडस्ट्री में काम करने के स्ट्रगल के बारे में बात की और बताया कि असिस्टेंट डायरेक्टर्स अक्सर मेल स्टार्स से डरते हैं, जबकि फीमेल एक्टर्स को अक्सर हल्के में लिया जाता है.

कृति ने बताया कि अगर कोई एक्ट्रेस अपने किरदार या सीन को लेकर सवाल पूछती है तो उसे जरूरत से ज्यादा सवाल करने वाली समझ लिया जाता है, जबकि यही काम कोई मेल स्टार करे तो उसकी तारीफ होती है. एक्ट्रेस ने कहा, जब कोई फीमेल एक्टर सवाल पूछती है, तो ऐसा होता है, कितने सवाल पूछती है ये, अरे 50 सवाल शुरू हो जाएंगे. मुझे लगता है कि इस तरह की बातचीत होती है. इसके उलट, जब कोई मेल स्टार सवाल पूछता है, तो उसे बहुत इन्वॉल्व्ड कहा जाता है. मेरे साथ भी ऐसा हुआ है. जब मैंने वही सवाल पूछे, तो मुझसे कहा गया, इसे ओवरएनालाइज मत करो. लेकिन जब ये बात उस लड़के की तरफ से आई, तो उन्होंने कहा, ठीक है, ये किया जा सकता है.

कृति ने आगे कहा, कई बार ये छोटी–छोटी बातें होती हैं जैसे मेल एक्टर को कैसी कार या कमरा दिया गया और मुझे कैसा कमरा दिया गया. मेरा मतलब है कि मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता, भले ही मुझे छोटा कमरा या कार मिले, लेकिन इससे मुझे कम महसूस नहीं होता. वर्क फ्रंट की बात करें तो कृति हाल ही में फिल्म कॉकटेल 2 में नजर आई थीं. इस फिल्म में उनके साथ शाहिद कपूर और रश्मिका मंदाना लीड रोल में हैं. होमी अदजानिया के निर्देशन में बनी इस रोमांटिक कॉमेडी फिल्म को दर्शकों और समीक्षकों से मिला–जुला रिस्पॉन्स मिला.

घर की खिड़कियों पर लगाएं ये 5 पौधे, बढ़ जाएगी सुंदरता

घर की खिड़कियां न केवल प्राकृतिक रोशनी को अंदर लाती हैं, बल्कि आपके घर के माहौल को भी बेहतर बनाती हैं। सही पौधों का चयन करके आप अपने घर को ताजगी और हरियाली से भरपूर बना सकते हैं। इन पौधों से न केवल आपके घर का लुक अच्छा लगेगा, बल्कि वे हवा को भी साफ करेंगे और आपको मानसिक शांति प्रदान करेंगे। आइए जानते हैं कि घर की खिड़कियों पर कौन–से 5 पौधे लगाने चाहिए।

एलोवेरा

एलोवेरा एक ऐसा पौधा है, जो कम देखभाल मांगता है और इसे ज्यादा पानी की जरूरत नहीं होती। इसे आप अपनी रसोई की खिड़की पर रख सकते हैं। यह न केवल आपके घर की सुंदरता बढ़ाता है, बल्कि इसके जेल का उपयोग त्वचा संबंधी समस्याओं के इलाज में भी किया जा सकता है। इसके अलावा एलोवेरा की ताजगी भरी खुशबू आपकी रसोई को एक नया रूप देगी। इसका जेल खान–पान में भी काम आता है।

नागफनी पौधा

नागफनी पौधा एक ऐसा अनोखा पौधा है, जो ऑक्सीजन का उत्पादन करता है और रात के समय कार्बन डाइऑक्साइड अवशोषित कर लेता है, जिससे आपकी नींद बेहतर होती है। इसे आप अपने बेडरूम की खिड़की पर रख सकते हैं। यह पौधा न केवल देखने में अच्छा लगता है, बल्कि यह हवा से हानिकारक तत्वों को भी दूर करता है। इसके अलावा नागफनी पौधा आपके कमरे को ताजगी भरी खुशबू भी देता है।

स्पाइडर पौधा

स्पाइडर पौधा एक खास प्रकार का पौधा है, जो प्रदूषक तत्वों को अवशोषित करके हवा को साफ करता है। इसे आप अपने लिविंग रूम या बालकनी की खिड़की पर रख सकते हैं। यह पौधा देखने में भी बहुत सुंदर लगता है और इसकी लंबी–लंबी पत्तियां किसी मकड़ी के जाले जैसी लगती हैं, इसलिए इसे स्पाइडर पौधा कहा जाता है। इसके अलावा स्पाइडर पौधा आपके कमरे को ताजगी भरी खुशबू भी देता है।

पेस्लीया

पेस्लीया एक ऐसा पौधा है, जो कम रोशनी में भी अच्छे से बढ़ता है। इसे आप अपने काम की जगह की खिड़की पर रख सकते हैं, ताकि काम करते समय आपको एक ताजगी भरी अनुभूति मिले। यह पौधा देखने में भी बहुत आकर्षक लगता है और इसकी पत्तियां हरी–भरी होती हैं। इसके अलावा पेस्लीया पौधा हवा से हानिकारक तत्वों को दूर करता है, जिससे आपके काम की जगह का माहौल और भी बेहतर बनता है।

मनी प्लांट

मनी प्लांट एक ऐसा पौधा है, जिसे आप किसी भी प्रकार की खिड़की पर रख सकते हैं। इसकी लटकती हुई बेलें आपके घर को एक अलग ही रूप देती हैं। मनी प्लांट कमरे की नमी को संतुलित रखता है और हवा से हानिकारक तत्वों को दूर करता है। इसके अलावा यह देखने में भी सुंदर लगता है और इसकी देखभाल करना आसान होता है। घर की खिड़कियों पर सही पौधों का चयन घर को एक नया जीवन दे सकता है।